हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 164 देहरादून, बृहस्पतिवार, 21 दिसंबर, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

श्रद्धालु और सैनिक दोनों को चाहिए काठगोदाम-अमृतसर ट्रेन : अजय भट्ट 3

प्रशिक्षित गुरिल्ला स्वयं सेवकों को आजीविका से जोड़ना जरूरी : धामी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 21 दिसंबर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में एस.एस.बी. द्वारा प्रशिक्षित राज्य के गुरिल्ला स्वयं सेवकों की समस्याओं को सुना। विभिन्न जनपदों से गुरिल्ला स्वयं सेवक वर्चुअल माध्यम से जुड़े थे। बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि विभिन्न विभागों में प्रशिक्षित गुरिल्ला स्वयं सेवकों को आजीविका से जोड़ने के लिए प्रयास किये जाएं। उन्होंने कहा कि गुरिल्ला स्वयं सेवकों की जिन समस्याओं का त्वरित समाधान हो सकता है, वे किये जाएं। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार से भी गुरिल्ला प्रशिक्षकों के लिए मदद के लिए प्रस्ताव भेजकर अनुरोध किया जायेगा।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम, निजी सुरक्षा एजेंसियों में सुरक्षा कर्मी, होमगार्ड में प्रशिक्षक, फॉरेस्ट फायर वॉचर, पुलिस विभाग के अन्तर्गत ग्राम चौकीदार, लोक निर्माण विभाग में विभिन्न कार्यों, वन विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं अन्य क्षेत्रों में गुरिल्ला स्वयं सेवकों की सेवाओं का लाभ कैसे लिया जा सकता है, इस दिशा में ध्यान दिया जाए। मुख्यमंत्री ने अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी को निर्देश दिये कि सबंधित विभागों द्वारा राज्य के प्रशिक्षित गुरिल्ला स्वयं सेवकों को आजीविका से जोड़ने और उनके प्रशिक्षण का लाभ राज्य को भी मिल सके, इस दिशा में जो भी कार्यवाही की जा सकती है, इसके अनुपालन में समय-समय पर बैठक ली जाए।

बैठक में अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, आनन्द बर्द्धन, डीजीपी अभिनव कुमार, कमांडेंट जनरल होमगार्ड केवल खुराना, डीआईजी/ अपर सचिव गृह निवेदिता कुकरेती, अपर सचिव विनीत कुमार, ललित मोहन रयाल, अत्तर सिंह, संबंधित विभागीय अधिकारी और वर्चुअल माध्यम से एस.एस.बी. द्वारा प्रशिक्षित गुरिल्ला स्वयंसेवक उपस्थित थे।

केंद्रीय मंत्री गडकरी से मिले सतपाल महाराज, योजनाओं पर हुई चर्चा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नई दिल्ली/देहरादून , 21 दिसंबर , प्रदेश के लोक निर्माण, पर्यटन, पंचायती राज,मंत्री सतपाल महाराज ने केन्द्रीय पंचायती राज राज्यमंत्री कपिल मोरेश्वर पाटिल और केंद्रीय सड़क परिवहन राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से शिष्टाचार भेंट की। मंत्री सतपाल महाराज ने अपने दिल्ली प्रवास के दौरान केन्द्रीय पंचायती राज राज्यमंत्री कपिल मोरेश्वर पाटिल से मुलाकात कर उन्हें चारधाम का माडल भी भेंट किया। इस दौरान उनके साथ सांसद संजय काका पाटिल, मनोज कोटक और अनिल बोंडे भी उपस्थित थे। मुलाकात के दौरान प्रदेश के पंचायतीराज मंत्री सतपाल महाराज ने उनसे पंचायतों के सशक्तिकरण की दिशा में उत्तराखंड में किये जा रहे कार्यों से उन्हें अवगत कराया। इसके पश्चात लोक निर्माण मंत्री सतपाल महाराज ने केंद्रीय सड़क परिवहन राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से भी शिष्टाचार भेंट कर प्रदेश में सड़कों के निर्माण की वर्तमान स्थिति से अवगत कराते हुए विभिन्न योजनाओं पर चर्चा की।

महाराज की पंचायती राज राज्यमंत्री कपिल मोरेश्वर पाटिल से शिष्टाचार भेंट

23 से बदलेगा मौसम पांच जिलों में बर्फबारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 21 दिसंबर : उत्तराखंड में मौसम लगातार करवट बदल रहा है। फिलहाल ऊंचे पहाड़ों में बर्फबारी जारी है, तो मैदानों में मौसम शुष्क बना हुआ है। इस बीच मौसम विभाग ने एक जानकारी दी है। पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के कारण आगामी 23 दिसंबर से मौसम का मिजाज बदल सकता है। चोटियों पर हिमपात और निचले इलाकों में बूंदाबांदी की आशंका है। ऐसे में 5 जिलों के लोगों को सावधान रहने की सख्त जरूरत होगी।

रुद्रप्रयाग, चमोली, उत्तरकाशी, पिथौरागढ़, बागेश्वर जिलों में बारिश और बर्फबारी से मौसम बदल सकता है। इसलिए इन जिलों के लोग अभी गर्म कपड़े और अलाव का इंतजाम कर लें। आजकल उत्तराखंड में शुष्क मौसम के बीच चटख धूप खिल रही है। जिससे अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक है, लेकिन सुबह-शाम सर्दी का सितम बढ़ रहा है। सुबह और शाम पहाड़ से लेकर मैदान तक कड़ाके की ठंड महसूस की जा रही है। मैदानी क्षेत्र खासकर हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर में कोहरा छाने की आशंका है। पर्वतीय क्षेत्रों में भारी मात्रा में पाला पड़ने को लेकर चेतावनी दी गई है। तापमान में मामूली गिरावट आ सकती है। अब मौसम विभाग का कहना है कि 23 दिसंबर से कुछ जिलों में पश्चिमी विक्षोभ के चलते बर्फबारी हो सकती है।

शहर में होगी CCTV कैमरों से निगरानी : डीएम देहरादून

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 21 दिसंबर : जिलाधिकारी देहरादून ने आदेश दिये कि पूरे देहरादून शहर में इन्वेस्टर्स समिट के दौरान किये गये डेकोरेशन/रिडवलपमेंट के कार्यो की निगरानी DICCC के अन्तर्गत लगाए गए कैमरो की मदद से की जाएगी। जिलाधिकारी देहरादून ने यह भी आदेश दिए की जो जगह DICCC के कैमरो की नजर से दूर हैं वहां की फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी करवाई जा रही है। जिससे पूरे देहरादून शहर में हुए कार्यों का रखरखाव सुनिश्चित किया जा सके । जिलाधिकारी देहरादून के अनुसार यह प्रयास किया जाएगा कि पूरे देहरादून शहर में हुए कार्यों को सी.सी.टीवी कैमरे से मॉनिटर किया जा सके।

जीभ से स्वाद का पता कैसे चलता है?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 21 दिसंबर , इस धरती पर केवल मनुष्य ही है, जो अच्छा-बुरे में फर्क के साथ विभिन्न चीजों को महसूस कर सकता है। मनुष्य के पास सर्दी-गर्मी, खट्टा-मीठा, अच्छा-बुरा, कर्णप्रिय और कर्कश ध्वनि इत्यादि का अनुभव करने के लिए पांच ज्ञानेंद्रियां है- जीभ, आंख, नाक, कान, और त्वचा. आइये इस लेख में जानते हैं कि जीभ स्वाद कैसे बताती है ?

अगर यह कहा जाए कि मनुष्य के शरीर से ज्यादा जटिल संरचना इस पृथ्वी पर नहीं है तो इसमें आश्चर्य है. मनुष्य के शरीर में हर अंग का कोइ ना कोई काम जरूर होता है मनुष्य के शरीर में सबसे अहम भूमिका 5 इनद्रियों की होती है, जिसकी वजह से उसे देखने, सुनने, महसूस करने, सूंघने और स्वाद चखने की शक्ति मिलती है. इन सभी इनद्रियों के नाम हैं; जीभ, आंख, नाक, कान, और त्वचा हैं. इन सभी की अपनी अलग महत्ता है इसलिए किसी भी इन्द्री का योगदान कम या अधिक नहीं माना जा सकता है.

जीभ हमारे मुंह के अन्दर स्थित एक इन्द्री है जो हमें मुख्य रूप से चार प्रकार के स्वाद बताती है. यह पीछे की ओर चौड़ी और आगे की ओर पतली होती है. लाल रंग की यह जीभ मांसपेशियों की बनी होती है. इसकी ऊपरी सतह पर कुछ दानेदार उभार होते हैं, जिन्हें स्वाद कलिकाएं कहते हैं. ये स्वाद कलिकाएं कोशिकाओं से बनी है.

स्वाद कलिकाएं चार प्रकार की होती है और मनुष्य को चार प्रकार के स्वादों के बारे में बतातीं हैं, ये हैं;

1. मीठा 2. कड़वा 3. खट्टा 4. नमकीन

जब हम किसी वस्तु को खाते हैं, तो इस वस्तु का स्वाद कैसा है, इसका अनुभव हमें तभी होता है, जब वह वस्तु लार के साथ घुलने के बाद जीभ पर फैलती है. कोई वस्तु मीठी या नमकीन है, इसका पता हमें जीभ का आगे का भाग बताता है.जीभ के पीछे का भाग कड़वे स्वाद का और किनारे का भाग खट्टे स्वाद का अनुभव कराता है. यही कारण है कि जब हम किसी खट्टी चीज को खाते हैं तो हमारे दाढ़ वाले हिस्से में काफी खट्टा लगता है और कभी-कभी तो हमारे दांत इतने खट्टे हो जाते हैं कि हम दाढ़ की मदद से खाना भी नहीं खा पाते हैं.ध्यान रहे कि मनुष्य की जीभ के बीच के भाग पर स्वाद कलिकाएं प्रायः नहीं होती जिसके कारण इस भाग द्वारा हमें किसी प्रकार के स्वाद का अनुभव नहीं होता है.

स्वाद का पता कैसे चलता है

किसी वस्तु के स्वाद का पता तब लगता है, जब हम किसी वस्तु को दांतों से चबाते हैं तो वस्तु का कुछ अंश लार में घुल जाता है और स्वाद-कलिकाओं को सक्रिय कर देता है. खाद्य वस्तु द्वारा भी एक रासायनिक क्रिया होती है, जिससे तंत्रिका आवेग पैदा हो जाते हैं. ये आवेग मस्तिष्क के स्वाद केंद्र तक पहुंचता है और हम लोगों को स्वाद का अनुभव होता है.

ऐसे नहीं है कि मनुष्य को हर समय हर दशा में स्वाद का अनुभव होता रहता है. बुखार आने पर, अधिक ठंडी या तेज गर्म चीजें खाने-पीने से मनुष्य की स्वाद कलिकाएं निष्क्रिय या शिथिल भी हो जाती हैं, जिसके कारण स्वाद का अनुभव नहीं हो पाता है.इसके अलावा जब पेट ख़राब हो जाता है या कब्ज हो जाता है, तो जीभ पर मैल जम जाता है, जिससे खाने का स्वाद बदला हुआ लगने लगता है. इसका कारण यह है कि मैल के कारण खाद्य पदार्थ का स्वाद 'स्वाद कलिकाओं' (taste buds) तक नहीं पहुंच पाता है और हमें खाद्य पदार्थों का सही स्वाद नहीं मिल पाता है.

यूट्यूब पर 2023 में लाइव स्ट्रीम जो रही टॉप ट्रेंडिंग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

गूगल के वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफार्म यूट्यूब पर साल 2023 में भारतीयों ने सबसे ज्यादा क्या देखा है इसकी जानकारी सामने आ गई है. यूट्यूब अब दुनियाभर में पॉपुलर है और हर 60 सेकंड के भीतर इसमें 500 घंटे का कंटेंट अपलोड होता है. हर मिनट इस प्लेटफार्म पर कई लाख लोग वीडियो डाल रहे हैं और करोड़ो की संख्या में लोग हर मिनट अलग-अलग वीडियो को देख रहे हैं. साल 2023 में जिस वीडियो को भारतीयों ने सबसे ज्यादा देखा वो है- Chandrayaan-3 Mission Soft-landing LIVE Telecast. इस वीडियो पर 8.6 मिलियन यूजर्स एक समय पर लाइव जुड़े थे. ये यूट्यूब की एकमात्र ऐसी लाइव वीडियो स्ट्रीम थी जिसमें इतने लोग एकसाथ एकसमय पर जुड़े थे. वर्तमान में इस वीडियो पर 79 मिलियन से ज्यादा व्यूज हैं.

ट्रेंडिंग रही ये वीडियो

दूसरे नंबर पर जिस वीडियो को सबसे ज्यादा देखा गया वो है "Men on Mission". इस वीडियो को राउंड टू हेल चैनल से अपलोड किया गया था जो फनी वीडियोज के लिए भारत में मशहूर हैं. तीसरे, चौथे और पांचवें नंबर पर क्रमश; UPSC - Stand Up Comedy Ft. Anubhav Singh Bassi, Daily Vloggers Parody by CARRYMINATI और Sasta Big Boss 2 | Parody | Ashish Chanchlani है.

इसके अलावा, Checkmate बाय Harsh Beniwal, द वायरल फीवर चैनल से अपलोड की गई Sandeep Bhaiya | New Web Series | EP 01 | Mulyankan, टेक्नो गेमर्स की I Stole Supra from Mafia House | GTA 5 Gameplay #151 और BB Ki Vines | Angry Masterji Part 16 भी यूट्यूब पर ट्रेंडिंग रही है. दसवें नंबर पर स्टैंड अप कॉमेडियन अभिषेक उपमन्यु की Health Anxiety वीडियो है. इस वीडियो को अब तक 19 मिलियन से ज्यादा लोग देख चुके हैं.

सबसे ज्यादा देखी गई लाइव स्ट्रीम

यूट्यूब पर साल 2023 में जिन लाइव स्ट्रीम को सबसे ज्यादा देखा गया इसमें-

ISRO Chandrayaan 3: 8.06 मिलियन
Brazil vs South Korea: 6.15 मिलियन
Brazil vs Croatia: 5.2 मिलियन
Vasco vs Flamengo: 4.8 मिलियन
SpaceX Crew Demo: 4.08 मिलियन है

आखिर क्यों लग जाती है इंसान को शराब की लत, जानिए क्या कहते है एक्सपर्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 21 दिसंबर : बहुत से लोग इस समय शराब की लत से पीड़ित हैं। दुनिया में बहुत से ऐसे लोग हैं जो शराब के बिना नहीं रह सकते। यह तो सभी जानते हैं कि शराब पीना सेहत के लिए बहुत हानिकारक होता है, लेकिन फिर भी लोग शराब पीते हैं। कई लोग शराब पीने के बाद बेकाबू हो जाते हैं और अभिभूत हो जाते हैं। आखिर शराब में ऐसा क्या है जो इसे पीने पर मजबूर कर देता है? अब जब वैज्ञानिकों ने इस बात का खुलासा कर दिया है कि लोग शराब के आदी क्यों हो जाते हैं, तो आपको जानकर हैरानी होगी।

एक नए अध्ययन में वैज्ञानिकों ने संकेत दिया है कि बंदरों और लंगूरों की वजह से इंसान शराब के आदी हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि बंदर खाने के लिए पके और थोड़े सड़े हुए फलों की तलाश में हैं। उनका कहना है कि बंदरों द्वारा खाए गए फलों में करीब दो फीसदी अल्कोहल होता है। यह अध्ययन जर्नल ऑफ द रॉयल सोसाइटी ऑफ ओपन साइंस में प्रकाशित हुआ है।

आइए जानते हैं इस स्टडी में वैज्ञानिकों ने क्या कहा। एक जीवविज्ञानी रॉबर्ट डडली लगभग 25 वर्षों से मनुष्यों में शराब की लत पर शोध कर रहे हैं। रॉबर्ट डुडले कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले में काम करते हैं। 2014 में, डुडले ने द ड्रंकन मंकी: व्हाई वी ड्रिंक एंड एब्यूज अल्कोहल नामक मनुष्यों में शराब के बारे में एक किताब लिखी। इस किताब में उन्होंने दिखाया है कि बंदरों और लंगूरों की वजह से इंसान शराब के आदी हो गए हैं।

उन्होंने एक चौंकाने वाला खुलासा किया है कि पके फलों से शराब जैसी गंध आती है। इसलिए बंदर फल के पकने का इंतजार करते हैं ताकि उनके द्वारा खाए जाने वाले फल में अल्कोहल की मात्रा मिल सके। इंसानों में शराब की लत का पता लगाने के लिए एक नया अध्ययन किया गया है। यह अध्ययन 'शराबी बंदर' परिकल्पना का समर्थन करता है। अध्ययन कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय में जीवविज्ञानी द्वारा आयोजित किया गया था। पनामा में पाए गए एक काले हाथ वाले मकड़ी बंदर से जीव वैज्ञानिकों ने फल और उनके मूत्र के नमूने एकत्र किए हैं। अध्ययनों से पता चला है कि बंदर थोड़े सड़े हुए फल खाते हैं, क्योंकि एक से दो प्रतिशत अल्कोहल प्राकृतिक किण्वन में पाया जाता है ।फल में अल्कोहल की मात्रा कम अल्कोहल वाली बीयर के बराबर होती है। बंदरों के पेशाब में अल्कोहल भी पाया गया है। अध्ययनों से पता चला है कि शराब का इस्तेमाल ताकत के लिए किया जाता है। अध्ययन में शामिल क्रिस्टीना कैंपबेल का कहना है कि यह दिखाया गया है कि बंदर, इंसानों की तरह, मादक पेय खाना पसंद करते हैं। उन्होंने कहा कि यह पहला अध्ययन है और काम किया जाना बाकी है। वैज्ञानिकों का कहना है कि अध्ययन यह निर्धारित करने के लिए किया गया था कि क्या शराब की लत बंदर शराब के सेवन से आई है।

श्रद्धालु और सैनिक दोनों को चाहिए काठगोदाम-अमृतसर ट्रेन : अजय भट्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नयी दिल्ली , 21 दिसंबर , केंद्रीय रक्षा एवं पर्यटन राज्य मंत्री अजय भट्ट ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर काठगोदाम से अमृतसर तक ट्रेन संचालन किया जाने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य धार्मिक एवं पर्यटन की दृष्टि से अति महत्वपूर्ण राज्य हैं। उत्तराखण्ड राज्य के जनपद ऊधमसिंहनगर के सितारगंज में विश्व विख्यात नानकमत्ता गुरूद्वारा साहिब स्थित है तथा वहां पर पूरे वर्षभर देश-विदेश के सैलानियों का लगातार आना-जाना लगा रहता है। नैनीताल एवं ऊधमसिंहनगर के आस-पास अधिक संख्या में सिक्ख समुदाय के लोग निवास करते है तथा प्रदेश के पूरे तराई क्षेत्र के लोग अमृतसर में रोजगार भी करते है, जिससे उनका आना-जाना लगा रहता है।

विलंब होने पर दोबारा रेल मंत्री से मुलाकात की

उत्तराखण्ड के जनपद ऊधमसिंहनगर, नैनीताल एवं उत्तर प्रदेश के रामपुर आदि जनपदों से प्रतिदिन पंजाबी, सिक्ख समाज एवं अन्य श्रद्धालु हजारों की संख्या में श्री हरमंदिर अमृतसर एवं डेरा व्यास व वैष्णों देवी के लिए आवागमन करते है, किन्तु हल्द्वानी-काठगोदाम से अमृतसर के लिए रेल सेवा न होने के कारण इन लोगों को अत्यधिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। भट्ट ने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य एक सैनिक बाहुल्य क्षेत्र है, यहां पर हर घर से हर परिवार में एक-न-एक सदस्य सेना में कार्यरत है, जिससे सैनिकों का अटारी बॉर्डर, बाघा बॉर्डर तथा जम्मू-कश्मीर के लिए निरन्तर आना-जाना लगा रहता है।

केंद्रीय मंत्री अजय भट्ट ने कहा कि स्थानीय जनता द्वारा काठगोदाम से अमृतसर ट्रेन चलाने के लिए बार-बार अनुरोध किया जा रहा है, जो नितान्त आवश्यक भी है। यदि काठगोदाम से अमृतसर ट्रेन का संचालन हो जाए तो यहां के लोगो को काफी सुविधा मिलने के साथ-साथ अन्य राज्यों से आने वाले पर्यटक भी विश्व विख्यात नानकमत्ता गुरूद्वारा साहिब का आसानी से स्थलीय भ्रमण कर सकते है। उन्होंने रेलवे मंत्री से कहा कि उत्तराखण्ड राज्य के जनपद नैनीताल के काठगोदाम रेलवे स्टेशन से अमृतसर तक ट्रेन को संचालित किये जाने हेतु अपनी स्वीकृति प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में विचार करना आवश्यक है ताकि स्थानीय जनता द्वारा काफी लम्बे समय से की जा रही मांग को पूरा किया जा सकें।

उत्तराखंड : मूल निवास धारकों को स्थाई निवास बनाने की बाध्यता खत्म, आदेश जारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

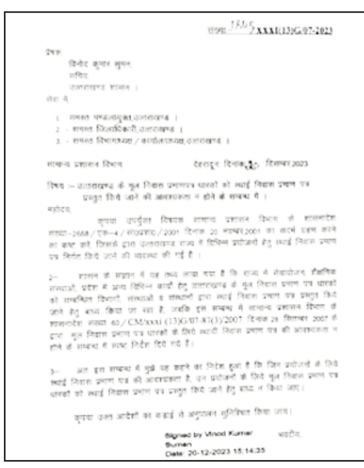
Signed by Vinod Kumar Suman
Date: 20-12-2023 15:14:35

उत्तराखंड 21 दिसंबर : राज्य में मूल निवास प्रमाण पत्र धारकों को स्थाई निवास प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के लिए विभाग अब बाध्य नहीं कर पाएंगे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों के क्रम में सचिव विनोद सुमन की ओर से इस संबंध में आदेश जारी किए हैं कि उक्त आदेशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए।

शासन के संज्ञान में यह तथ्य लाया गया था कि राज्य में सेवायोजन, शैक्षणिक संस्थाओं, प्रदेश में अन्य विभिन्न कार्यों हेतु उत्तराखंड के मूल निवास प्रमाण पत्र धारकों को संबंधित विभागों, संस्थाओं व संस्थानों द्वारा स्थाई निवास प्रमाण पत्र प्रस्तुत किये जाने के लिए बाध्य किया जा रहा है, जबकि इस सम्बन्ध में सामान्य प्रशासन विभाग के शासनादेश संख्या 60/CM/xxxi (13)G/07-87(3)/2007 दिनांक 28 सितम्बर 2007 के द्वारा मूल निवास प्रमाण पत्र धारकों के लिये स्थायी निवास प्रमाण पत्र की आवश्यकता न होने के सम्बन्ध में स्पष्ट निर्देश पूर्व में ही दिये गये हैं।

सचिव विनोद कुमार सुमन ने आज इस संबंध में आदेश जारी करते हुए बताया कि जिन प्रयोजनों के लिए स्थाई निवास प्रमाण पत्र की आवश्यकता है, उन प्रयोजनों के लिए मूल निवास प्रमाण पत्र धारकों को स्थाई निवास प्रमाण पत्र प्रस्तुत किये जाने हेतु बाध्य न किया जाए।उन्होंने कहा कि उक्त आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

विनीता भण्डारी की संदिग्ध मौत पर महिला आयोग सख्त

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 21 दिसंबर , महिला आयोग अध्यक्ष ने विनीता भण्डारी की संदिग्ध अवस्था मे मौत की जाँच रिपोर्ट तलब की है। इस दौरान उन्होंने सभी तथ्यों की गहनता व गंभीरता से जाँच के लिए निर्देशित भी किया है। आपको बता दें कि बीते 4 दिसम्बर 2023 से मुनि की रेती थाना पुलिस क्षेत्र से लापता हुई 22 वर्षीय विनीता भण्डारी का आधाजला हुआ शव देहरादून रोड के जंगलों में मिलने पर महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कण्डवाल शुरू से ही मामले में अधिकारियों के साथ संपर्क में है। उन्होंने इस मामले में मृतका के संदिग्ध अवस्था मे शव मिलने के बाद जांच के लिए निर्देशित किया था। जिसकी रिपोर्ट महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कण्डवाल ने एसएसपी टिहरी गढ़वाल से मांगी है।वही महिला आयोग की अध्यक्ष

कुसुम कण्डवाल जो मामले में गुमशुदगी दर्ज होने के समय से ही थाना मुनि की रेती टिहरी गढ़वाल एसओ रितेश शाह के संपर्क से पूरी निगरानी बनाये हुए है। उन्होंने मृतका के मौत के कारणों को स्पष्ट करने के लिए जानकारी मांगी है तथा उन्होंने कहा कि उक्त मृतका के व उसके परिचित अर्जुन के मोबाइल की भी जांच के लिए भी निर्देशित किया है। मामले में पुलिस अधिकारियों द्वारा आयोग को अब तक कृत कार्यवाही की रिपोर्ट आयोग अध्यक्ष को सौंपी है जिसमें जानकारी मिली है कि 4 दिसम्बर को 10:48 पर विनीता भंडारी को HNB मार्ग ढालवाला होते हुए पैदल नटराज चौक की ओर जाते हुए देखा गया है। जिसमे उसके दाहिने हाथ मे एक पॉलिथीन भी देखी गयी है। मृतका की अंतिम कॉल भी अर्जुन से हुई है। पूछताछ की जा रही है व सभी तथ्यों व साक्ष्यों के आधार पर जांच जारी है। मामले में आयोग की अध्यक्ष कुसुम कण्डवाल ने सभी तथ्यों की गहनता व गंभीरता से जाँच के लिए किया निर्देशित करते हुए जल्द से जल्द आयोग को जानकारी देने को कहा है।

संक्षिप्त खबरें

रोटरी क्लब ने जरूरतमंद छात्रों को वितरित किये ट्रेक सूट

श्रीनगर गढ़वाल। रोटरी क्लब अलकनंदा वैली ने कीर्तिनगर ब्लॉक के राजकीय आदर्श प्राथमिक विद्यालय मलेथा और राजकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय पैडुल पौड़ी में जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को ट्रेक सूट वितरित किये। इस मौके पर क्लब के अध्यक्ष सीए वेदव्रत शर्मा ने रोटरी क्लब अलकनंदा वैली द्वारा समाज हित में विभिन्न क्षेत्रों में किये जा रहें कार्यों के बारे में विस्तार से बताया। रोटेरियन मनोज नौटियाल और रोटेरियन प्रो. एसपी काला के सहयोग से राआप्रवि मलेथा के 44 विद्यार्थी व राजकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालयए पेडूल पौड़ी के 14 विद्यार्थी को ट्रेक सूट वितरित किये गये। इस मौके पर राआप्रवि मलेथा की प्रधानाचार्या मंजू ममगाईं व राजकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय पैडुल पौड़ी के सहायक अध्यापक महेश गिरी ने क्लब का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक डॉ. वरुण बर्तवाल, क्लब के सचिव धनेश उनियाल, अजय प्रकाश जोशी, प्रेम वल्लभ नैथानी, नवल किशोर जोशी, मनोज कंडवाल, डॉ. सुनील बिजलवान, कृपाल सिंह पटवाल, दीप्ति आर्य, सुनील चतुर्वेदी, कुलदीप राणा, नीरज कुमार सहित आदि मौजूद थे।

गढ़वाल विवि में शिक्षकों के लिए ओरिएंटेशन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

श्रीनगर गढ़वाल। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विवि के उत्तराखंड के मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग केंद्र की ओर से शिक्षकों के लिए एनईपी 2020 ओरिएंटेशन एंड सेंसटाइजेशन पर द्वितीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। जिसमें उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सेवारत 10 राज्यों के शिक्षक प्रतिभागी प्रशिक्षण कर रहे हैं। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि गढ़वाल की कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल ने कहा कि हमारे विश्वविद्यालय का मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर अपना द्वितीय प्रशिक्षण कार्यक्रम ऑनलाइन मोड में संचालित कर रहा है। कहा कि प्रतिभागी सरकार के इस महत्वाकांक्षी उपक्रम से ऑनलाइन लाभान्वित हो सकेंगे। केंद्र की निदेशक प्रो. इंदु पांडेय खंडूड़ी ने बताया कि हमारा केंद्र एनईपी 2020 के विविध पक्षों पर देश भर के विद्वान वक्ताओं को वक्तव्य हेतु आमंत्रित करते हुए शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण के नए आयाम स्थापित करेगा। उन्होंने बताया कि वर्तमान कार्यक्रम एनईपी 2020 ओरियंटेशन एंड सेंसटाइजेशन प्रोग्राम के शीर्षक से आयोजित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत इंडियन नॉलेज सिस्टम, एकेडमिक लीडरशिप गवर्नेंस एंड मैनेजमेंट, स्किल डेवलपमेंट स्टूडेंट डायवर्सिटी एंड इंक्लूसिव एजुकेशन, इनफॉर्मेशन एंड टेक्नोलॉजी कम्युनिकेशन, रिसर्च एंड डेवलपमेंट, हायर एजुकेशन एंड सोसायटी तथा हॉलिस्टिक एंड मल्टी डिसिप्लिनरी एजुकेशन जैसे विविध पक्षों पर शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जाएगा। इस मौके पर नीपा नई दिल्ली के प्रो. के श्रीनिवास ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। सत्रों का संचालन असिस्टेंट डायरेक्टर डॉ. राहुल कुंवर सिंह, डॉ सोमेश थपलियाल तथा डॉ. कविता भट्ट ने किया।

गुलाबराय मैदान में 6 जनवरी से होगी रामलीला

रुद्रप्रयाग। मुख्यालय स्थित गुलाबराय मैदान में 6 जनवरी से रामलीला का आयोजन किया जाएगा। बीते वर्षों की तरह इस वर्ष भी रामलीला दोपहर में की जाएगी। इन दिनों श्री गणेश रामलीला समिति गुलाबराय कलाकारों का अभ्यास करा रही है। ताकि मंचन के दौरान सुंदर प्रस्तुति दी जा सके। श्री गणेश रामलीला समिति गुलाबराय रुद्रप्रयाग के संयोजक लक्ष्मण कप्रवान ने जानकारी देते हुए बताया कि बीते साल की तरह इस बार भी जनवरी प्रथम सप्ताह में दोपहर में गुलाबराय मैदान में रामलीला का आयोजन किया जा रहा है। इसकी तैयारियां की जा रही हैं। 6 जनवरी को गणेश पूजन के साथ इस रामयज्ञ की शुरुआत की जाएगी। जबकि 7 जनवरी को नारद मोह लीला के साथ श्रवण कुमार एवं कैलाश लीला का मंचन किया जाएगा। उन्होंने नगर की जनता से दोपहर में होने वाली रामलीला का आनंद लेने 7 जनवरी से नियमित गुलाबराय मैदान में आने का आह्वान किया गया है।

बधाई उत्तराखंड ! अयोध्या में राम मंदिर के पास बनेगा अतिथि गृह

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 21 दिसंबर , देवभूमि के रामभक्तों के लिए बड़ी खबर है। अगर आप अयोध्या जा रहे हैं तो सबसे ज्यादा टेंशन रहने खाने की होती है लेकिन धामी योगी राज में खुशखबरी ये है कि भगवान राम के भव्य मंदिर के पास ही उत्तराखंड सरकार राज्य अतिथि गृह का निर्माण करेगी। राज्य अतिथि गृह के लिए राज्य सरकार ने जो भूमि चिह्नित की है, वह राम मंदिर से करीब सात किमी की दूरी पर है।करीब साढ़े तीन किमी की दूर उत्तर प्रदेश आवास विकास परिषद ने ले आउट तैयार कर लिया है। इसी के मुताबिक राज्य सरकार ने भूखंड का चयन किया है।

एक ही स्थान पर होंगे सभी राज्यों के अतिथि गृह : राज्य संपत्ति विभाग की एक टीम पिछले दिनों अयोध्या से इस स्थान का निरीक्षण करके लौट आई है। टीम ने करीब पांच भूखंड देखे हैं, जिनमें से किसी एक भूखंड पर सरकार को अतिथि गृह का निर्माण करना है। सीएम को भूखंड का प्रस्ताव दिखा दिया है। सीएम ने अनुमोदन दे दिया है। उन्होंने भूखंड आवंटन के बाद अतिथि गृह निर्माण के लिए तेजी से काम करने के निर्देश दिए हैं।

अतिथि गृह का निर्माण होने के बाद उत्तराखंड से अयोध्या जाने वाले राज्य के लोगों को सुविधा होगी।4000 वर्ग मीटर भूमि पर बनेगा अतिथि गृह राज्य अतिथि के लिए उत्तराखंड सरकार ने 4000 वर्ग मीटर भूमि की डिमांड की है। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से

भूमि आवंटन की प्रक्रिया जल्द शुरू हो जाएगी। आवंटन से पहले उत्तर प्रदेश आवास विकास परिषद वहां मास्टर प्लान के तहत अवस्थापना तैयार कर रहा है। धामी सरकार को उम्मीद है कि नए साल में उत्तराखंड को अयोध्या में भूखंड का आवंटन हो जाएगा।

राज्य सरकार को इसके लिए कीमत देनी होगी। चूंकि ले आउट और अवस्थापना के साथ भूखंडों का आवंटन हो रहा, इसलिए इसकी दरें भी सामान्य से अधिक होंगी।भूखंड आवंटन होने के बाद अतिथि गृह के निर्माण की डीपीआर बनाने की प्रक्रिया शुरू होगी। हम जल्द भूमि मिलने की उम्मीद कर रहे हैं। जिस स्थान पर भूमि चिन्हित की गई है, वहां से अयोध्या के लिए दो मार्ग हैं। पहले करीब साढ़े किमी और दूसरे करीब सात किमी है। अतिथि गृह के लिए सभी राज्यों को एक ही स्थान पर भी भूमि मिलेगी।

नैनीताल : खेत में काम कर रही 18 साल की निकिता को बाघ ने बनाया निवाला

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नैनीताल 21 दिसंबर : उत्तराखंड में बाघ गुलदारों का आतंक थमता नहीं दिख रहा है।नैनीताल के भीमताल ब्लॉक के लिए गुलदार और बाघ के खौफ का सबब बन गए हैं। बीते दिन भीमताल के अलचौना गांव में 18 साल की किशोरी निकिता शर्मा की बाघ के हमले में मौत हो गई। अलचौना ताड़ा गांव में निकिता अपने घर के नजदीक खेत में काम कर रही थी। अचानक शाम को करीब 5 बजे बाघ निकिता पर झपटा और उसे मौत के घाट उतार दिया।

निकिता का शोर सुनकर ग्रामीण दौड़कर आए लेकिन तब तक बाघ झाड़ियों की ओर भाग गया और निकिता दम तोड़ चुकी थी। हादसे के बाद ग्रामीणों में आक्रोश है। बीते कुछ दिनों से इस क्षेत्र में लगातार बाघ देखा जा रहा था और बाघ के हमले की खबरें भी सामने आ रही थी। गांव वालों का कहना है कि इसकी शिकायत वन विभाग से भी की गई थी। इसके बाद भी कोई एक्शन नहीं लिया गया और नतीजा 18 साल की लड़की को अपनी जान गंवानी पड़ी।

हादसे के बाद ग्रामीणों में वन विभाग की लापरवाही पर आक्रोश है। लोग बाघ और गुलदारों को आदमखोर घोषित कर उन्हें मारने की मांग कर रहे हैं। आपको बता दें कि 7 दिसंबर को भीमताल के मलुवा ताल में तेंदुए ने हमला करके महिला को मौत के घाट उतार दिया। 9 दिसंबर को भीमताल के ही पिनरों गांव में खेत में घास काट रही महिला को तेंदुए ने शिकार बनाया।

इस घटना के बाद वन विभाग ने तेंदुए को आदमखोर घोषित कर मारने के आदेश दिए थे। लेकिन मामला हाईकोर्ट में गया तो हाईकोर्ट ने इस पर रोक लगा दी थी। अब एक बार फिर बाघ के हमले से लोगों में दहशत है।

नैनीताल में क्रिसमस-न्यू ईयर पर पर्यटकों की गाड़ी की नो एंट्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नैनीताल 21 दिसंबर : क्रिसमस और न्यू ईयर सेलिब्रेशन के लिए नैनीताल जाने का प्लान बना रहे हैं तो ये खबर आपके काम की है।पर्यटकों को निर्धारित पार्किंग स्पॉट पर ही अपनी गाड़ियों को पार्क करना होगा। पर्यटकों के वाहनों को शहर में एंट्री नहीं मिलेगी। किसी भी पर्यटक की गाड़ी को टूरिस्ट स्पॉट पर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। हाईकोर्ट की सख्ती के बाद पुलिस प्रशासन ने यह निर्णय लिया है। पुलिस ने नैनीताल में पार्किंग की उपलब्धता न होने के चलते शटल सेवाएं संचालित करने के साथ बसें बढ़ाने का भी निर्णय लिया है।

ऐसे में नैनीताल घूमने आने वाले पर्यटकों को निर्धारित पार्किंग स्पॉट पर ही अपनी गाड़ियों को पार्क करना होगा। क्रिसमस और न्यू ईयर के लिए शहर में स्पेशल ट्रैफिक प्लान लागू किया जाएगा। इसके तहत शहर में भीड़ बढ़ने पर पर्यटक वाहनों को शहर से बाहर ही रोका जाएगा। जहां से शटल सेवाएं संचालित की जाएंगी। बता दें कि नैनीताल के अधिकांश होटलों में 80 प्रतिशत तक एडवांस बुकिंग हो चुकी है।

सेलिब्रेशन के दौरान भीड़ अधिक होने पर पर्यटक वाहनों को रूसी बाईपास व नारायण नगर क्षेत्र में रोका जाएगा। हाईकोर्ट की सख्ती के बाद पुलिस ने भी तैयारी कर ली है। पर्यटक वाहनों को शहर में एंट्री नहीं मिलेगी। एडवांस बुकिंग वाले पर्यटक वाहनों को संबंधित होटल में पार्किंग की उपलब्धता के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा। बता दें कि क्रिसमस और न्यू ईयर सेलिब्रेशन के लिए यूपी, हरियाणा और दिल्ली समेत आस-पास के राज्यों से पर्यटक बड़ी तादाद में नैनीताल पहुंचते हैं। जिसके चलते यहां ट्रैफिक व्यवस्था दम तोड़ जाती है। इस समस्या के समाधान के लिए इस बार Nainital New Year Traffic Plan के तहत वाहनों को शहर के बाहर रोकने की तैयारी है।

संक्षिप्त खबरें

सरस्वती विद्या मंदिर को प्रमुख रमोला ने कुर्सी-मेज दिए

नई टिहरी। टीएचडीसी की मदद से ब्लॉक प्रमुख प्रतापनगर प्रदीप चंद रमोला ने सरस्वती विद्या मंदिर लंबगांव को 20 सेट कुर्सी व मेज सौंपे। स्कूल को मेज-कुर्सी सौंपते हुए प्रमुख रमोला ने कहा कि विद्यालयों को बेहतर पठन-पाठन के लिए संसाधनों की उलब्धता जरूरी है। इसके लिए प्रमुख ने टीएचडीसी का आभार जताते हुए विद्यालय परिवार व छात्रों को शुभकामनाएं दीं। प्रतापनगर के युवा प्रमुख प्रदीप चंद रमोला की ठोस पहल पर टीएचडीसी की मदद से सरस्वती विद्या मंदिर लंबगांव को 20 सेट कुर्सी-मेज उपलब्ध करवाये गये। जिसके लिए विद्यालय प्रधानाचार्य, शिक्षकों व अभिभावकों ने विद्यालय में प्रमुख प्रदीप चंद रमोला का शाल ओढ़ाकर सम्मान किया। जिसके लिए प्रमुख ने तहे दिल से विद्यालय परिवार का आभार भी जताया। इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य धनवीर सजवाण ने कहा कि प्रमुख रमोला के प्रयास से विद्यालय के छात्रों जो संसाधन मिले हैं। उनसे छात्रों को पठन-पाठन में बेहद सुविधा मिलेगी। जिसके लिए छात्र व अभिभावक प्रमुख के प्रयासों को सराह रहे हैं। विद्यालय के उत्थान के लिए स्थानीय जन प्रतिनिधियों व लोगों का सहयोग बेहद जरूरी है। इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य धनवीर सजवाण, शीशपाल सिह, संदीप कलूड़ा, अमरजीत, सुमित, रंजना, अंजलि आदि ने कहा कि प्रमुख रमोला के अथक प्रयासों से विद्यालय को फर्नीचर मिलना बेहतर कदम है। इस तरह के प्रयासों से विद्यालय में साधनों का विकास होना सुनिश्चित है।

नैनबाग महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं सीखेंगे आत्मनिर्भर बनने के गुर

नई टिहरी। राजकीय महाविद्यालय नैनबाग में उद्यमिता प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को उद्यमिता से जुडक़र आत्मनिर्भर बनने के गुर सिखाए जाएंगे। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद से प्रशिक्षण प्राप्त कर लौटी महाविद्यालय की डॉ. मधु बाला जुवांठा ने बताया कि सहायतित देवभूमि उद्यमिता योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को उच्च शिक्षण संस्थानों से फैकल्टी मेंटर प्रशिक्षण 12 से 17 दिसंम्बर तक आयोजित हुआ। बताया कि इस योजना के तहत महाविद्यालय में उद्यमिता केंद्र की स्थापना की जाएगी एवं बूट कैंप के माध्यम से छात्र-छात्राओं को स्टार्ट-अप के प्रति जागरूक किया जाएगा। छात्रों को स्टार्टअप के लिए सीड फंडिंग सरकार की ओर से की जाएगी एवं उद्यमिता के क्षेत्र से जुड़े लोगों को भी इस योजना से जुडऩे के लिए प्रेरित किया जाएगा। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. सुमिता श्रीवास्तव ने सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने पर डॉ. मधु बाला जुवांठा को बधाई दी।

देवप्रयाग संगम तट पर 24 को हवन

नई टिहरी। राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर संयुक्त मोर्चा की देवप्रयाग इकाई 24 दिसम्बर को संगम तट पर पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर हवन करेगी। देवप्रयाग इकाई अध्यक्ष राकेश चंद तथा सचिव विजय आर्य ने बताया कि हवन के बाद गंगा में नई पेंशन योजना की प्रतियों को बहाया जायेगा, और तहसील मुख्यालय तक रैली निकाली जायेगी।

रघुनाथ कीर्ति परिसर की टीम योग स्पर्धा में प्रतिभाग करेगी

नई टिहरी। केंद्रीय संस्कृत विवि श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर की टीम भुवनेश्वर उड़ीसा में आयोजित होने वाले अखिल भारतीय विश्वविद्यालयी योग प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेगी। 7 दिवसीय प्रतियोगिता के लिए देवप्रयाग से टीम बुधवार को रवाना हुई। 21 से 27 दिसम्बर तक उड़ीसा के भुवनेश्वर में आयोजित होने वाली अखिल भारतीय विवि योग प्रतियोगिता में रघुनाथ कीर्ति परिसर के 11 सदस्यी छात्र-छात्राओं की टीम भाग प्रतिभाग करेगी। टीम में चिराग शर्मा, नितिन पाटीदार, चेतन शर्मा, प्रतीक चौहान, देवदर्शन टीएस,अजय कृष्ण, आरती, नीतू बुंदेला,शिवानी शर्मा, कीर्ति बड़ोदिया,अंशी तिवारी शामिल हैं। योग प्राध्यापक डॉ.सुधांशु वर्मा और डॉ.रश्मिता टीम भी साथ में हैं। योग प्रतियोगिता में शामिल टीमों में टॉप 8 में आने वाले प्रतिभागियों की आगे की पढ़ाई का पूरा खर्च सरकार की ओर से वहन किया जाएगा। परिसर निदेशक प्रो.पीवीबी सुब्रह्मण्यम टीम को शुभकामनाएं दी है। योग प्राध्यापक डॉ.सुधांशु वर्मा ने बताया कि अखिल भारतीय विश्वविद्यालय संघ की ओर से आयोजित योग प्रतियोगिता में देशभर के विभिन्न विवि के 225 टीमें भाग ले रही हैं।

राइंका खण्डाह में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

श्रीनगर गढ़वाल। राइंका खन्डाह, सुमाड़ी, राजकीय प्राथमिक विद्यालय कोटी, भेलगढ, चडीगांव के विद्यालय प्रबन्धन समिति के पदाधिकारियों तथा सदस्यों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण का समापन हुआ। प्रशिक्षण में समग्र शिक्षा के उद्देश्य, समुदाय सहभागिता, शिक्षा का अधिकार, सामाजिक सम्परीक्षा, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के टिप्स दिये गये। राइंका खण्डाह में आयोजित तृतीय चरण के प्रशिक्षण शिविर में नोडल अधिकारी राजेंद्र किमोठी ने प्रशिक्षण में भावी पीढ़ी के समग्र विकास की बात पर चर्चा की। कहा कि समुदाय की सहभागिता से ही हम लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। इस मौके पर राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित अखिलेश चन्द्र चमोला ने कहा कि प्रत्येक छात्र में अद्भुत प्रतिभा निहित रहती है।

खतरे में है महंगी शादी करने वाले रिश्ते, रिसर्च

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 21 दिसंबर : पहले शादियां ज्यादातर घरों या मंदिरों में ही हो जाती थी। सारी व्यवस्था की जिम्मेदारी परिवार और विश्वास के संगे संबंधियों पर होती थी। लोग शादियों में खर्चे के साथ अपने बचत की भी बराबर चिंता करते थे। लेकिन अब ट्रेंड पूरा बदल गया है, अब शादी के लिए आपको बस पैसा खर्च करना है और इस दिन को बिना किसी चिंता के एंजॉय करना है। इस सुविधा को देकर ही आज वेडिंग कराने वाली कंपनियां अरबों कमा रही है।

इसमें कोई दोराय नहीं कि हर कोई एक ग्रैंड शादी करना चाहता है, जिसका उदाहरण देते लोग थके नहीं। हम सबके आसपास ऐसे कई लोग हैं भी जो अपनी शादी पर आंख बंद करके खर्च करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं, यह शादीशुदा जीवन के लिए एक अभिशाप की तरह है। एक स्टडी में इस बात का दावा किया गया है कि महंगी शादियां तुलनात्मक रूप से कम बजट वाली शादियों से कम चलती है।

इस लेख में आप इस स्टडी के बारे में डिटेल में जान सकते हैं इस स्टडी के परिणामों से यह साफ पता चलता है कि व्यक्ति को अपनी वेडिंग के लिए बहुत ही कम खर्च करना चाहिए। ऐसा न करने वाले कपल आमतौर पर अपने रिश्ते में कम खुश देखे जाते हैं। अध्ययन में यह पाया गया है कि जिस वेडिंग में $1,000 (1,83.011 रुपए) से कम खर्च किया गया उन शादियों के लंबे समय तक चलने की संभावना बहुत अधिक थी। जबकि 20000 डॉलर (16,60,230 रुपए) या इससे अधिक वेडिंग पर खर्च करने वाले कपल्स के बीच तलाक होने की संभावना बहुत अधिक थी। शादी पर भले ही खर्च अच्छा ना हो लेकिन स्टडी में यह सामने आया है कि हनीमून पर जाना तलाक के कम खतरे के साथ महत्वपूर्ण रूप से जुड़ा हुआ है।

सेल्फी लेने की आदत बना देगी बूढ़ा : रिसर्च

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 21 दिसंबर : मौका कोई भी हो लोग आजकल मोबाइल से सेल्फी लेने के एक्सपर्ट हो चुके हैं ,. ख़ास तौर पर बात करें यूथ की तो उनके मोबाइल में सेल्फी पिक्स और पोजेज़ की भरमार रहती है। सेलिब्रेशन हो , कॉलेज हो या ट्रेवलिंग टूर लड़कियां खास तौर पर सेल्फी लेने में अव्वल रहती हैं। लेकिन अगर आपको यह पता चल जाए कि सेल्फी लेने से आपकी उम्र में तेज़ी से इज़ाफ़ा हो सकता है और सेल्फी की साइड इफेक्ट्स सीधे आपके चेहरे पर दिखाई दे सकती है तो शायद आप खुद-ब-खुद सेल्फी लेने के इस शौक को हमेशा के लिए अलविदा कह देंगे। सेल्फी लेते वक्त निकलते हैं हानिकारक रेडिएशनज्यादातर स्किन स्पेशलिस्ट मानते हैं कि सेल्फी लेते वक्त चेहरे पर पड़ने वाली नीली लाइट और इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडिएशन स्किन के लिए काफी हानिकारक साबित हो सकते हैं. सेल्फी लेने के दौरान मोबाइल से निकलने वाले रेडिएशन को सनस्क्रीन की परत भी नहीं रोक सकती, जिससे त्वचा खराब हो सकती है.

चेहरे पर समय से पहले आ सकती है झुर्रियांसेल्फी लेने का खामियाजा सबसे ज्यादा आपकी त्वचा को उठाना पड़ सकता है, क्योंकि बार-बार सेल्फी लेने की वजह से उम्र तेज़ी से बढ़ने लगती है और आप कम उम्र में ही उम्रदराज़ दिख सकते हैं. इसके अलावा आपके चेहरे पर समय से पहले झुर्रियां आ सकती है जो आपको समय से पहले बूढ़ा होने का अहसास करवा सकती है.स्किन की रिपेयरिंग क्षमता होती है प्रभावितसेल्फी लेते वक्त मोबाइल से निकलने वाला हानिकारक रेडिएशन त्वचा में मौजूद डीएनए पर भी असर डालता है, जिसके चलते स्किन की रिपेयरिंग क्षमता प्रभावित होती है. जिससे किसी भी क्रीम या सनस्क्रीन के इस्तेमाल से नहीं बचाया जा सकता। ये थी सेल्फी की साइड इफेक्ट्स – बहरहाल यहां गौर करनेवाली बात यह भी है कि सेल्फी लेने का आपका क्रेज आपके चेहरे की रंगत को भी बिगाड़ सकता है.आप जितनी ज्यादा सेल्फी लेंगे, आपकी त्वचा उतनी ही ज्यादा बीमार होने लगेगी. इसलिए हमे यकीन है कि सेल्फी की साइड इफेक्ट्स को जानने के बाद यकीनन आप अपनी इस आदत को बदलने की कोशिश करेंगे.

इस गांव के लोग मंदिर में ही करते हैं शादी, सालों से चली आ रही है परंपरा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 21 दिसंबर : शादी को लेकर हर गांव और शहर में अलग-अलग रीति रिवाज निभाए जाते हैं. राजस्थान में भी एक ऐसा ही गांव है जहां मंदिर में शादी करने की परंपरा है. ऐसा कहा जाता है कि अगर कोई इस परंपरा का पालन नहीं करता तो उसके घर में बच्चे का जन्म नहीं होता. इस गांव में ये परंपरा पिछले 350 साल से निभाई जा रही है. दरअसल, राजस्थान के बाड़मेर में आटी नाम का एक गांव है. जहां ये परंपरा निभाई जाती है. इस गांव में जब भी किसी की शादी होती है तो वह घर पर नहीं बल्कि गांव के मंदिर में होती हैं.

पश्चिमी राजस्थान के इस गांव में चामुंडा माता का मंदिर है. इसी मंदिर में सभी को सात फेरे लेने पड़ते हैं. ऐसा कहा जाता है कि अगर कोई इस मंदिर में सात फेरे यानी शादी नहीं करता उस दंपति के बच्चे नहीं होते. ऐसा कहा जाता है कि अगर मंदिर में शादी नहीं हुई तो बहू या बेटी कभी गर्भधारण नहीं कर पाएंगी. इसलिए आज भी गांव के बेटे-बेटियों की शादी गांव के चामुंडा माता के मंदिर में होती है.ऐसा कहा जाता है कि चामुंडा माता के मंदिर में ही शादी की शहनाई बजती है और दूल्हा वहीं तोरण भी लेता है. इस दौरान शादी

के सात फेरों की पूरी रस्म वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूरी की जाती है. बेटियों के सात फेरों के अलावा गांव में पहला कदम रखने वाली नई दुल्हन को भी पहले मंदिर में रखा जाता है, जिसके बाद वह ही वह अपने नए घर में प्रवेश करती है. मंदिर समिति के अध्यक्ष का कहना है कि ऐसा नहीं है कि मंदिर में सिर्फ बेटियों की ही शादी होती है.इस मंदिर में पुत्रों का विवाह संस्कार कराया जाता है. बारात के आगमन पर नवविवाहित दुल्हन को भी मंदिर में ठहराया जाता है. उसके बाद रात्रि जागरण और अगली सुबह पूजा के बाद ही दुल्हन को घर में प्रवेश कराया जाता है. यह भी माना जाता है कि अगर इस मंदिर में किसी लड़की की शादी नहीं की गई तो उसकी कोख सूनी रह जाती है और वह कभी मां नहीं बन पाती.

नोडल व सहायक नोडल अधिकारियों की बैठक ली

नई टिहरी। आगामी लोक सभा सामान्य निर्वाचन 2024 की तैयारियों को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी डीएम मयूर दीक्षित ने नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारियों की बैठक ली। चुनाव तैयारियों को बैठक में डीएम ने तैयारियों में लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए। चुनाव के लिए निर्वाचन गाइड लाइन का अध्ययन करने के भी निर्देश दिए। आगामी लोक सभा चुनावों की तैयारियों को लेकर जिला सभागार में आयोजित बैठक में डीएम ने कहा कि निर्वाचन कामों को सभी कर्मचारी-अधिकारी नियमानुसार करेंगे। किसी भी काम में कोताही न बरतें। कहा कि निर्वाचन को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने को आदर्श आचार संहिता का अनुपालन करवाने, आर्मस जमा की संयुक्त रिपोर्ट उपलब्ध कराने, बरनेबल और क्रिटीकल बूथों के लिए वीडियो वीविंग टीम गठित करने, कन्ट्रोल रूम स्थापित करने, समयान्तर्गत फ्लाइंग स्क्वाड और स्टेटिक सर्विलांस टीम, वीडियो सर्विलांस टीम, वीडियो वीविंग टीम, एकाउंटिंग टीम, एक्साइज टीम, एमसीएमसी टीम गठित करने के निर्देश दिए। एआरओ को अपने-अपने क्षेत्रान्तर्गत के बूथों की सूची नाम, नम्बर, स्थिति सहित पूरा डाटा तैयार रखने तथा सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी को ईएलसी और दिव्यांग मतदाताओं को लेकर बैठक करवाने के निर्देश दिये। इसके साथ ही तहसील व ब्लॉक मुख्यालय के समीप अधिक से अधिक सखी बूथ चिनह्ति करने तथा हर विधान क्षेत्र में दो-दो दिव्यांग बूथ एवं आदर्श बूथ चिनह्ति करने के निर्देश संबंधितों को दिये। सीएमओ को मेडिकल बोर्ड बनाने तथा हिमाच्छादित बूथों पर एक्स्ट्रा मेडिकल किट उपलब्ध कराने को कहा। डीएम दीक्षित ने सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचक सहभागिता (स्वीप) के तहत सभी बूथों में स्वीप गतिविधियां आयोजित कर मतदाताओं को जागरूक करने के निर्देश को कहा। इसके साथ ही पोस्टल बैलट पेपर, डाटा एंट्री की गलतियां और फोटो युक्त निर्वाचन नियमावली को तैयार करने, निर्वाचन कंट्रोल रूम की व्यवस्थाओं एवं शिकायतों को सही तरीके से पंजीकृत करने, मतदान प्रतिशत को बढ़ाने को जागरूकता कार्यक्रम करवाने, सोशल मीडिया प्रकोष्ठ, मतदाताओं की ऑनलाइन डाटा एंट्री एवं मतगणना के बाद ईवीएम एवं वीवीपेट को जिला निर्वाचन कार्यालय के ईवीएम भंडार में सुरक्षित रखवाने के निर्देश तक की कार्यवाही को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में सीडीओ मनीष कुमार, बीडीओ चम्बा आशिमा गोयल, एडीएम केके मिश्रा, एएसपी जेआर जोशी, डीडीओ सुनील कुमार, एसडीएम टिहरी संदीप कुमार, नरेन्द्रनगर एसडीएम देवेन्द्र नेगी, सोनिया पंत, शैलेन्द्र नेगी आदि मौजूद रहे।

यहां नौकरी करने वालों की मौज, जल्द घर जाने पर मिलता है Bonus

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 21 दिसंबर : ऑफिस पहुंचने का तो टाइम होता है और देरी पर सैलरी भी कटती है, लेकिन वापसी का कोई टाइम नहीं होता. दरअसल, अधिकांश बॉस चाहते हैं कि उनके कर्मचारी देर तक बैठकर काम करें. ये कल्चर केवल प्राइवेट ही नहीं, सरकारी दफ्तरों और बैंकों में भी मौजूद है. इस वजह से कर्मचारी मानसिक तौर पर परेशान रहते हैं और इस परेशानी का असर उनके कामकाज पर भी नजर आता है. इसी को ध्यान में रखते ही जापान में कुछ ऐसा हो रहा है, जिसे जानकर आप भी कहेंगे - हमारे एम्प्लॉयर इतने समझदार कब बनेंगे?

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जापान (Japan) में कर्मचारियों को जल्द घर जाने के लिए बोनस दिया जाता है. जापान में सरकारी कर्मचारियों को काम जल्द खत्म कर घर जाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है. ऐसा इसलिए ताकि कर्मचारी निजी जिंदगी और ऑफिस के कामकाज में संतुलन बना सकें. जापान की सरकार का मानना है कि यदि कर्मचारी परिवार और दोस्तों के साथ ज्यादा समय बिताएंगे, तो मेंटली फिट रहेंगे. सरकार चाहती है कि कर्मचारी अपना समय और पैसा जिंदगी को बेहतर बनाने पर खर्च करें.

जापान की सरकार ने पिछले साल जुलाई में युकाईसू नाम की यह योजना लागू की थी. अब इस साल के लिए फिर से इसे लागू कर दिया गया है. इस योजना के तहत 9 से शाम 5 बजे ऑफिस बंद कर दिए जाएंगे. इससे ऑफिस में बिजली की भी बचत होगी. सरकार चाहती है कि कर्मचारी ऑफिस में देर तक बैठकर काम न करें, उन्हें जल्दी घर जाने के लिए बोनस भी दिया जाता है.

इसके उलट भारत में ऑफिस टाइमिंग अघोषित तौर पर लगातार लंबा होता जा रहा है. लंबे समय से मांग उठ रही है कि दफ्तरों के कामकाज को कर्मचारियों के अनुकूल बनाया जाए. सरकारी बैंक भी 5 डेज वर्किंग कल्चर की मांग कर रहे हैं. अभी बैंक महीने के दूसरे और आखिरी शनिवार को बंद रहते हैं. हालांकि, बैंक यूनियन की मांग है कि यह व्यवस्था हर शनिवार को लागू की जाए, भले ही इसके एवज में बैंक के खुलने का समय कुछ पहले कर लिया जाए. बता दें कि मोदी सरकार के कार्यकाल में बैंकों का कामकाज काफी ज्यादा बढ़ गया है. क्योंकि अनगिनत योजनाओं का क्रियान्वयन बैंकों के माध्यम से ही किया जा रहा है.

देर रात तक जागने के ये बड़े नुकसान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 21 दिसंबर : रात को समय पर सोना और सुबह सूरज निकलने के बाद जागना अच्छी सेहत के लिए जरूरी है। प्रकृति ने रात सोने के लिए और दिन काम के लिए बनाया है, लेकिन कुछ लोग देर रात यानी सुबह होने तक जागते हैं और आधे दिन तक सोते हैं। अगर हम कुदरत को दरकिनार करके अपना रास्ता अलग बनाएंगे तो उसका अंजाम हमें भुगतना ही होगा। अच्छी सेहत के लिए रात की नींद बेहद जरूरी है। रात को जल्दी सोना और सुबह 6 बजे तक उठना अच्छी सेहत के लिए जरूरी है।

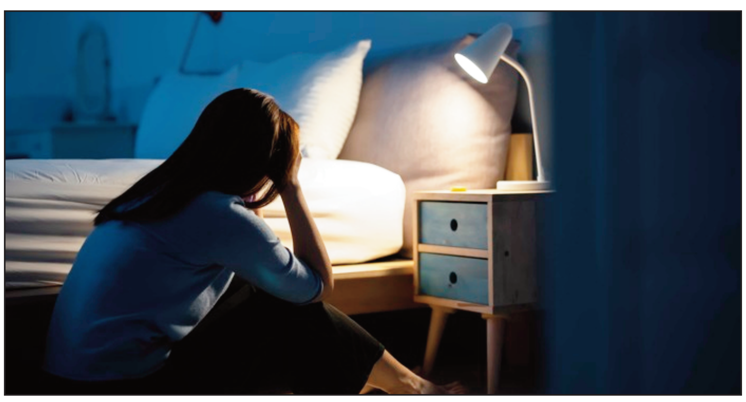

देर रात तक जागने से सुबह हम देर तक सोते रहते हैं, जिससे हमारा भोजन ठीक से पचता नहीं और हमें कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। अगर आपको अक्सर देर रात तक काम करने या जागने की आदत है तो इस आदत को जल्द से जल्द बदल दीजिए। ये आदत आपको कई तरह की परेशानियां दे सकती है। पहलेदेर रात तक जागने से सेहत को नुकसानः देर रात तक जागने वाले लोगों को हाई ब्लड प्रेशर की समस्या हो सकती है। हाई ब्लड प्रेशर बढ़ने से बॉडी में अन्य बीमारियां जैसे ब्रेन स्ट्रोक और हार्ट डिजीज के खतरे बढ़ने लगते हैं। देर रात तक जागने से भूख नियंत्रित करने वाले हार्मोन का स्तर भी प्रभावित होता है।

देर रात तक जागने से आप मानसिक रोगी बन सकते हैं। सुबह तक जागने से दिमाग के न्यूरोट्रांसमीटर पर बुरा असर पड़ता है, जिससे डिप्रेशन, एंग्जाइटी और सनक जैसी मानसिक बीमारियां हो सकती हैं। नींद पूरी नहीं होने की वजह से आपको दिन में गाड़ी चलाते समय नींद की झपकी आ सकती है जिससे दुर्घटना होने का खतरा बढ़ जाता है।

सुबह देर से उठने से बॉडी में आलस भरा रहता है जिससे काम करने में मन नहीं लगता। दिन तक सोने से सिर भारी रहता है और आंखों में दर्द और आंखों की कई समस्याएं लगातार बनी रहती है। रात भर जागने से दिमाग पर भी असर पड़ता है। देर रात तक जागने से भ्रम की समस्या पैदा हो जाती है। नींद पूरी नहीं होने के कारण ऐसी चीजें दिखती हैं जिनका असल में कोई अस्तित्व ही नहीं होता।

वकील काला कोट ही क्यों पहनते हैं, लाल या नीला क्यों नहीं ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 21 दिसंबर , क्या आपने कभी सोचा है वकील काले रंग के कोट ही क्यों पहनते हैं. लाल पीले हरे या नीले रंग के को क्यों नहीं पहनते. आखिर इसके पीछे क्या वजह है. नहीं पता तो आइये आपको बताते हैं.काले रंग को कुछ जगह अशुभ माना जाता है. इसीलिए शादी या अन्य खास मौक़ों पर काले रंग को पहनने के लिए मना किया जाता है. लेकिन जब आप कोर्ट परिसर में जाते हैं तो वहां आपको सभी काले रंग के लिबास में दिखाई देते हैं वकील हो या जज हो सभी काले कोट में दिखते हैं.लेकिन क्या आपने कभी सोचा है वकील काले रंग के कोट ही क्यों पहनते हैं. लाल पीले हरे या नीले रंग के को क्यों नहीं पहनते. आखिर इसके पीछे क्या वजह है. नहीं पता तो आइये आपको बताते हैं.

दरअसल कल कोर्ट को अनुशासन और आत्म विश्वास का प्रतीक माना जाता है इसके साथ ही काले रंग को ताकत और अधिकार का प्रतीक भी माना जाता है. इसलिये ही वकील और जज काले रंग के कोर्ट में दिखाई देते हैं.दुनिया के और किसी प्रोफेशन में काले रंग के कपड़े नहीं पहने जाते. वकीलों और जजों को काला रंग एक अलग पहचान देता है. इसके साथ ही वकीलों की शर्ट में एक सफेद रंग का बंद भी लगा हुआ होता है. जो की पवित्रता की निशानी माना जाता है.काले रंग का संबंध अंधेपन से भी होता है. जिस तरह अंधे इंसान को कुछ दिखाई नहीं देता और वह पक्षपात नहीं करता. इसी प्रकार वकील और जज भी काले रंग को पहनकर इस बात का प्रतीक देते हैं कि वह पक्षपात नहीं करेंगे.आपको बता दें भारत में साल 1961 के एडवोकेट एक्ट के तहत वकीलों के लिए काला कोट पहनना अनिवार्य किया गया है. इसीलिए अगर कोई वकील ना भी चाहे तब भी उसे वकालत करनी है तो काला कोट पहनना ही होगा.

संक्षिप्त खबरें

महिलाओं के साथ लैंगिक उत्पीडन पर निलंबन

चमोली। महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीडऩ की रोकथाम, निषेध एवं निवारण अधिनियम के अंतर्गत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण चमोली द्वारा न्यायालय परिसर गोपेश्वर में विभागीय अधिकारियों के साथ संगोष्ठी आयोजित की गई। जिसमें सिविल जज/जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव सिमरनजीत कौर ने विभागीय अधिकारियों को अधिनियम के प्रावधानों एवं कार्रवाई की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव ने कार्यस्थल पर महिलाओं का उत्पीडऩ के संबंध में बताया कि अधिनियम के तहत विभागों में आंतरिक शिकायत समिति का गठन किया जाना आवश्यक है। वहीं शिकायत को 6 प्रतियों में लेकर जांच के बाद कार्रवाई की संस्तुति कर रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को प्रेषित करने का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि अधिनियम में आरोपी के दोषी पाए जाने पर अर्थदंड के साथ ही निलंबन जैसी सजा का भी प्रावधान किया गया है। उन्होंने सभी अधिकारियों को विभागीय स्तर पर समितियों गठन करने एवं नियमित रूप से वार्षिक रिपोर्ट जिलाधिकारी कार्यालय को दिए जाने और अधिनियम के प्रचार-प्रसार के लिए विभागीय और अन्य स्तरों पर गोष्ठी आयोजित करने की बात कही। इस मौके पर न्यायिक मजिस्ट्रेट चमोली पल्लवी गुप्ता, हेमलता भट्ट, ममता शैली, अनीता असवाल, उदय सिंह रावत, रचना, सोनी भंडारी, सतीश कुमार, पूनम रानी शांती तिवाड़ी, विक्रम सिंह कुंवर, अधिवक्ता ज्ञानेंद्र खंतवाल सहित विभिन्न विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

ग्रामीणों को दी योजनाओं की जानकारी

चमोली। जोशीमठ के देवग्राम व द्वींग तपोवन, कर्णप्रयाग के रतूडा, थराली के रूईसाण व बूंगा, पोखरी के सुनाउ तल्ला में कृषि विभाग, उद्यान विभाग, पशुपालन विभाग, स्वास्थ्य विभाग तथा बैंकों सहित अन्य रेखीय विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। गैरसेंण के मरोडा तथा सेरेग्वाड में ब्लॉक प्रमुख शशि सौरियाल ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। आमजनमानस को योजनाओं की जानकारी देते हुए विभागीय योजनाओं का लाभ लेने की अपील की। और ग्रामीणों को विकसित भारत संकल्प यात्रा की शपथ दिलायी। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग द्वारा 250 से अधिक लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवाईया वितरित की गयी।

साइबर अपराध से बचने के उपाय बताए

पौड़ी। थाना सतपुली के तहत पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय खैरासैंण में अध्यनरत छात्रों, अध्यापकों व कर्मचारियां को बढ़ते साइबर अपराध के संबंध में जानकारी देते हुए साइबर अपराध होने पर तुरंत टोल फ्री नंबर 1930 में कॉल करने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान पुलिस टीम द्वारा बताया गया कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ अपनी बैंक डिटेल सांझा न करे। फोन पर आने वाले अनचाहे लिंक व क्लिक ना करे। लॉटरी या अन्य लाभप्रद कॉल आने पर किसी के बहकावे में न आए। ओएलएक्स पर सामान खरीदते समय सावधानी बरते।

रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ एनएसएस शिविर शुरू

पौड़ी। जीजीआईसी पौड़ी की एनएसएस इकाई का सात दिवसीय विशेष शिविर वाल्मीकि बस्ती में शुरू हो गया। शिविर के उदघाटन अवसर पर छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रंगारंग प्रस्तुतियां दी। शिविर में 100 स्वयंसेवी हिस्सा ले रही है। सात दिवसीय शिविर में स्वयंसेवियों द्वारा सफाई अभियान के साथ ही विभिन्न विषयों पर लोगों को जागरूक किया जाएगा। बुधवार को शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि खंडशिक्षाधिकारी के प्रतिनिधि जगदीश लाल ने किया। कार्यक्रम अधिकारी संगीता वाल्मीकि ने बताया कि सात दिनों तक चलने वाले शिविर के माध्यम से स्वयंसेवियों द्वारा सफाई अभियान के साथ ही विभिन्न विषयों पर लोगो को जागरूक किया जाएगा। इस मौके पर स्कूल की प्रधानाचार्य सावित्री शैव नेगी, पूरन सिंह रावत, कांति किमोठी, ऋतु नेगी, मेहरबान सिंह, बृजेश कुमार, प्रवीण कुमार घाघट आदि शामिल रहे।

अयोध्या धाम से आए रथ का किया भव्य स्वागत

पौड़ी। अयोध्या धाम से आए रथ का क्षेत्र के राम भक्तों ने भव्य स्वागत किया। धूमादेवी मंदिर से रथ नैनीडांडा होकर शिशु मंदिर धुमाकोट में पहुंचा, जहां पर भजन कीर्तन के साथ शोभायात्रा संपन्न हुई। अक्षत कलश, पत्रक व निमंत्रण पत्र लेकर क्षेत्र में पहुंचे रथ का क्षेत्र के राम भक्तों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर स्वागत किया। राम भक्ति में रंगे महिलाओं व पुरुषों ने पीले वस्त्र धारण कर अयोध्या धाम से आए रथ के स्वागत में शोभायात्रा में भागीदारी की। कार्यक्रम में पौड़ी विभाग प्रचारक संजय, जिलाप्रचारक नरेश, खंड कार्यवाह अरविंद, मंडल अध्यक्ष शशिकुमार ध्यानी, कार्यक्रम संयोजक मनोज खर्कवाल, ज्येष्ठ उप प्रमुख ललित पटवाल, सामाजिक कार्यकर्ता सत्यपाल सिंह रावत, बीएल मधवाल, दीनदयाल कंडारी, मुन्नी ध्यानी, दीनदयाल भदूला, मनोज मधवाल, चमन सिंह, बचनसिंह, युवा मोर्चा अध्यक्ष मनोज पटवाल, महिला मोर्चा अध्यक्ष प्रभा उनियाल, भारती देवी , माधुरी बिष्ट, पिंकी भदूला सभी शक्ति केंद्रों के संयोजकों सहित संख्या में स्थानीय रामभक्त मौजूद रहे।

नशा तस्करों को बख्शा नहीं जायेगा : एसएसपी नैनीताल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नैनीताल 21 दिसंबर : मुख्यमंत्री उत्तराखंड के ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन-2025 को सार्थक करने हेतु प्रहलाद नारायण मीणा, एसएसपी नैनीताल द्वारा जनपद नैनीताल के समस्त थाना चौकी प्रभारियों को अपने- अपने थाना क्षेत्र में एवं ANTF को भी नशे की तस्करी पर अंकुश लगाने एवं अवैध बिक्री करने वालों की धर-पकड़ करने हेतु निर्देशित किया गया है।

आदेश के क्रम में नशे के विरुद्ध प्रचलित अभियान के दौरान डॉ० जगदीश चन्द्र एसपी क्राइम यातायात नैनीताल/नोडल अधिकारी ANTF, व हरबंस सिंह एसपी सिटी हल्द्वानी के दिशा-निर्देशन व नितिन लोहानी क्षेत्राधिकारी ऑपरेशन नैनीताल के पर्यवेक्षण में व उ0नि0 बलवंत कंबोज जिला ANTF प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा चैकिंग के दौरान मोटरसाइकिल से स्मैक का परिवहन करते हुए एक अभियुक्त को गल्फार गेट चोरगलिया से गिरफ्तार किया गया तथा उक्त के विरूद्ध थाना चोरगलिया में 8/21/60 एनडीपीएस एक्ट के अन्तर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया।

गिरफ्तारी-: 1.हरप्रीत सिंह पुत्र स्व0 जसवंत सिंह स्थाई पता टाटरगज, जिला पीलीभीत उत्तर प्रदेश हाल पता ग्राम नलेई थाना नानकमत्ता जिला उधम सिंह नगर उत्तराखंड उम्र-27 वर्ष

बरामदगी- 32.20 ग्राम स्मैक बरामद

पुलिस टीम-

1- उप0निरी0बलबीर सिंह थाना चोरगलिया 2. हे0का0 मंजीत सिंह थाना चोरगलिया 3.कानि अमनदीप सिंह ANTF

4.कानि सोनू सिंह ANTF

5. कानि राजेन्द्र जोशी ANTF

संपादकीय

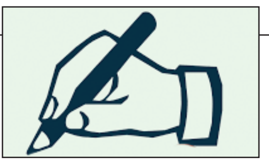

'इंडिया' चला अढाई कोस

विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की चौथी बैठक के बाद कहा जा सकता है कि वह कुछ सक्रिय हुआ है, कुछ फैसले लिए गए हैं, चुनाव जीतने की ललक जगी है और पहली बार प्रधानमंत्री के चेहरे के तौर पर मल्लिकार्जुन खड़गे का नाम उभरा है। हालांकि गठबंधन का साझा न्यूनतम कार्यक्रम, सचिवालय, प्रतीक चिह्न आदि अभी विचाराधीन हैं, लेकिन संयोजक या प्रधानमंत्री चेहरे का प्रस्ताव बंगाल की मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी ने रखा, जिसे आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल समेत 12 दलों के नेताओं ने अनुमोदित किया। ममता-केजरीवाल ने यह निर्णय कांग्रेस को बताए बिना ही लिया था। उनकी रणनीति थी कि यदि देश के सामने प्रथम दलित प्रधानमंत्री और एक बेदाग छवि वाले, अनुभवी नेता को पेश किया जाए, तो गठबंधन के पक्ष में जनमत तैयार करने में सुविधा होगी, लेकिन सीपीएम महासचिव सीताराम येचुरी ने मीडिया के सामने कहा कि बैठक में प्रधानमंत्री चेहरे पर कोई चर्चा ही नहीं हुई। ऐसे विरोधाभास 'इंडिया' की एकजुटता पर सवाल करते हैं। बहरहाल कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने प्रधानमंत्री चेहरे के मुद्दे को अस्वीकार करते हुए कहा कि सबसे पहले हमें चुनाव जीत कर बहुमत हासिल करना है। यदि सांसदों का ही बहुमत नहीं होगा, तो प्रधानमंत्री कैसे बनेगा? खड़गे ने यह भी स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री चुनावी जीत के बाद तय कर लिया जाएगा। पहले हम सभी का मिलकर चुनाव लड़ना और जीतना जरूरी है। शिवसेना के उद्धव ठाकरे ने 'संयोजक' का मुद्दा उठाते हुए कहा कि कमोबेश नेतृत्व करने वाला चेहरा तो होना चाहिए। यह जरूरी नहीं है कि जो संयोजक हो, उसे ही बाद में प्रधानमंत्री बनाया जाए। लेकिन खड़गे ने यह मुद्दा हाशिए पर सरका दिया। दरअसल विपक्ष के सामूहिक गठबंधन का बीड़ा बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उठाया था। उन्होंने ही विपक्ष के प्रमुख नेताओं से संपर्क और संवाद किए थे, लेकिन चार बैठकों के बाद भी उनकी भूमिका गठबंधन के एक घटक की है, लिहाजा वह और राजद अध्यक्ष लालू यादव नाराज बताए जा रहे हैं। वे प्रेस ब्रीफिंग से पहले ही पटना लौट गए। इस तरह 'इंडिया' के संयोजक और सारथी की भूमिकाएं अब भी अनसुलझी हैं। अलबत्ता विपक्ष ने साझा सक्रियता के मद्देनजर कुछ फैसले जरूर लिए हैं। हालांकि 28 दलों के गठबंधन में कुछ नेता आरोपिया भाषा बोल रहे थे कि कांग्रेस ने राज्यों के विधानसभा चुनावों के लिए कमोबेश एक साल का समय बर्बाद कर दिया। हम अब भाजपा से काफी पीछे हैं। आम चुनाव में तीन माह ही शेष हैं और अभी सीटों का बंटवारा ही नहीं हुआ है। इस बैठक में ममता बनर्जी के एक प्रस्ताव के संदर्भ में सीटों के बंटवारे की डेडलाइन 31 दिसंबर तय की गई है। खड़गे इसे 'अग्निपरीक्षा' मान रहे हैं। पश्चिम बंगाल, बिहार, उप्र और महाराष्ट्र आदि राज्यों में सीटों का बंटवारा पहली प्राथमिकता है, यह खड़गे ने स्पष्ट कर दिया है। इन राज्यों में कांग्रेस तीसरे या चौथे नंबर की पार्टी रह गई है।

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी, **कार्यकारी संपादक :** आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002, **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094

Cert. Ser. No. : 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com

Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus

न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

रंगारंग कार्यक्रमों के साथ कर्णप्रयाग में खेल प्रतियोगिताएं शुरू

चमोली। बुधवार को एसजीआरआर कर्णप्रयाग (जयकंडी) की पांच दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिताएं रंगारंग कार्यक्रमों और मार्च पास्ट के साथ शुरू हुई। प्रतियोगिताओं का उद्घाटन विद्यालय के प्रधानाचार्य बीबी डोभाल ने किया। पहले दिन विभिन्न वर्गो में 100, 200 और 400 मीटर की दौड़ के साथ कुर्सी दौड़, चम्मच दौड़, पिक एवं ड्रॉप दौड़, बाधा दौड़, तीन पैर दौड़ व लंबी कूद की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। स्कूल के खेल मैदान में आयोजित कुर्सी दौड़ में नर्सरी कक्षा के सूर्य प्रताप सिंह राणा प्रथम, नमन रावत द्वितीय व आश्तिका तृतीय रहे। चम्मच दौड़ में एलकेजी के युवि प्रथम, अभिनय खत्री द्वितीय व अविरल डिमरी तृतीय रहे। पिक एवं ड्रॉप दौड़ में यूकेजी के अनुभव प्रथम, आराध्य भट्ट द्वितीय व कार्तिक तृतीय रहे। बाधा दौड़ में कक्षा एक के भानु प्रताप प्रथम, काव्यान्श द्वितीय व अथर्व तृतीय रहे। तीन टांग दौड़ में कक्षा दो के आरव व ईशान नवानी प्रथम, आरुषि व अरनवी कनवासी द्वितीय व अनुजा व अस्मिता तृतीय रहे। जबकि 100 मीटर दौड़ में अंकित, सिया, पीयूष, आरुषि, शुभम, गुंजन, कृष्ण, आध्या, आयुष, दिव्यान्शी, दिव्यान्शु व नव्या अपने-अपने वर्ग में प्रथम रहे। 200 मीटर दौड़ में प्रीतम सोनाली नेगी ,अमन गिरि व महक रावत अपने-अपने वर्ग में प्रथम रहे। लंबी कूद में अनिकेत, आरुषि, कृष्णा, आशना, आयुष, दिव्यान्शी, दिव्यान्शु, हिमांशी, महक, आर्यन, नितिन व सोनाली नेगी अपने-अपने वर्ग में प्रथम रहे। प्रतियोगिताओं के संचालन में व्यायाम शिक्षक विपिन कुंवर व दीपा खुकशाल, केसी लखेड़ा, संदीप पुंडीर, हेमचन्द्र, सुमन कुमार, गंभीर सिंह, रितु मैठानी, सोनाली बहुगुणा, पूजा डिमरी, ज्योति डिमरी, हिमानी रावत, संगीता, सुमन रावत, विनीता व रश्मि आदि शामिल थे।

आयुष बने भूगोल विभाग परिषद के अध्यक्ष

चमोली। डा.शिवानंद नौटियाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कर्णप्रयाग के भूगोल विभाग में विभागीय परिषद का गठन किया गया। जिसमें आयुष को अध्यक्ष पद के लिए मनोनीत किया गया। वहीं मनीष पुरोहित उपाध्यक्ष, शिवानी सचिव, प्रियंका सहसचिव और शिखा को कोषाध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया। साथ ही प्रत्येक कक्षा से कक्षा प्रतिनिधि के रूप मे दो-दो छात्र एवं छात्रा भी मनोनीत किए गए। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.केएल.तलवाड़ ने कहा कि विभागीय परिषद द्वारा आयोजित कार्यक्रमों से छात्र-छात्राओं के मध्य स्वस्थ प्रतियोगिता की भावना का विकास होता है।

संक्षिप्त खबरें

होटल के गोदाम से सामान चोरी

हल्द्वानी। कोतवाली क्षेत्र में एक होटल के गोदाम में चोरों ने हाथ साफ कर लिया। होटल मालिक की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस को दी तहरीर में होटल प्रबन्धक लावण्या टावर जल संस्थान निवासी मोहित सिंह ने कहा है कि उनके होटल के पार्किंग गोदाम में कुछ सामान रखा हुआ था। उसके फिंटिंग्स एवं अन्य सामान रखा हुआ था। अज्ञात चोर उसे चोरी कर भाग गए। कोतवाल हरेन्द्र चौधरी ने बताया कि तहरीर के आधार पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सुरेंद्र पडियार बने एबीवीपी के नगर अध्यक्ष

हहल्द्वानी। एमबीपीजी कॉलेज में बुधवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की बैठक हुई। राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य अभिषेक मेहरा और प्रांत सह संगठन मंत्री अंकित सुंदरियाल ने बैठक का शुभारंभ किया। अभिषेक मेहरा ने विद्यार्थी परिषद का इतिहास और वर्तमान में किए जा रहे कार्यों की जानकारी छात्र-छात्राओं को दी। साथ ही दिल्ली में संपन्न हुए 69वें राष्ट्रीय अधिवेशन के बारे में भी बताया। एमबीपीजी कॉलेज के छात्रसंघ अध्यक्ष सूरज सिंह रमोला ने 25 दिसंबर को परिषद के 75 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित होने वाले अमृत महोत्सव सम्मेलन की जानकारी दी। बैठक में हल्द्वानी ईकाई का भी गठन किया गया। जिसमें सुरेंद्र पडियार को नगर अध्यक्ष, मनिकेत तोमर को नगर मंत्री, निश्चय वर्मा को कॉलेज इकाई अध्यक्ष और विभूमि जीना को कॉलेज मंत्री बनाया गया। यहां जिला संगठन मंत्री ईशा बदलवाल, जिला प्रमुख विशाल, जिला संयोजक कौशल बिरखानी, इंद्रजीत, नगर विस्तारक दीपेंद्र कुल्याल, निखिल सोनकर, महिला कॉलेज अध्यक्ष प्रीति स्यूनरी, छात्रसंघ अध्यक्ष सूरज रमोला आदि मौजूद रहे।

तमंचा और स्मैक के साथ दो युवक गिरफ्तार

हल्द्वानी। वनभूलपुरा थाना पुलिस ने तमंचा और स्मैक के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम मनोज कश्यप (30) और आकाश कुमार (26) दोनों निवासी बिठौरिया नम्बर एक हरिपुर होना बताया। एसओ नीरज भाकुनी ने बताया पुलिस टीम रेलवे क्रासिग से गौलापुल के पास चेकिंग कर रही थी। इसी बीच एक बाइक में दो युवक आते दिखे। जो पुलिस को देखकर भागने की कोशिश करने लग गए। शक होने पर रोका तो मनोज के पास 22 ग्राम स्मैक और आकाश के पास तमंचे व जिंदा कारतूस मिला। आरोपियों को कोर्ट में पेशी के लिए भेज दिया है।

परिषद ने यूनिवर्सल के शिक्षक छात्रों को सम्मानित किया

हल्द्वानी। भारत विकास परिषद शाखा हल्द्वानी की ओर से 'गुरु वंदन छात्र अभिनन्दन-2023 के तहत बुधवार को यूनिवर्सल कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल के शिक्षकों और छात्रों को सम्मानित किया गया। परिषद की गुरु वंदन छात्र अभिनंदन संयोजक उपमा सेठी, प्रांतीय महिला संयोजिका गीतू केसरवानी ने शिक्षक राजेश पंत, किरन अधिकारी समेत कक्षा कक्षा के छात्र देवेश पपनै और 11वीं कक्षा की छात्रा कनिष्का बिष्ट को सम्मान पत्र प्रदान किया और शॉल ओढ़ाकर उत्साहवर्धन किया। यहां प्रबंध निदेशक सुनील कुमार जोशी, प्रधानाचार्या मंजू जोशी, उप प्रधानाचार्य पीडी पलडिया, समन्वयक एचएस बोरा, कंचन पंत आदि मौजूद रहे।

स्कूल के बच्चों को दी चटाई

हल्द्वानी। साथी हाथ बढ़ाना सेवा समिति ने समता आश्रम के स्कूल में बच्चों के बैठने की समस्या दूर करने के लिए चटाइयां दीं। साथ ही भगवानपुर के स्कूल में बंद पड़े शौचालय का जीर्णोद्धार कर बालिकाओं के लिए शौचालय की व्यवस्था की। संस्था अध्यक्ष सरिता अग्रवाल, उपाध्यक्ष दया बिनवाल, सचिव हेमा मेलकानी, कोषाध्यक्ष गीता कार्की, संरक्षक लीला मनराल, हेमा चिलवाल, रमेश चन्द्र, मधु बिष्ट, दीपा जोशी, कमला जोशी, विमला कांडपाल, कंचन शर्मा, लीला कोठारी, गीता पंत आदि रहे।

अंकिता भंडारी हत्याकांड के आरोपी को नहीं मिली जमानत

हल्द्वानी। हाईकोर्ट ने अंकिता भंडारी हत्याकांड के मुख्य आरोपी पुलकित आर्या की जमानत अर्जी खारिज कर दी है। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति रवींद्र मैठाणी की एकलपीठ में हुई।कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि यह एक संगीन अपराध है। कोर्ट में दलील दी गई कि अब तक निचली अदालत में जितनी भी गवाहियां हुईं और उनके बयानों में इसकी पुष्टि हुई है कि घटना के समय इन अभियुक्तों की मौजूदगी घटना स्थल पर थी। इन्होंने जबदस्ती उसे वीआईपी सेवा देने के लिए बार-बार दवाब डाला। फॉरेंसिक जांच में भी इनकी लोकेशन वहां पाई गई है। यही नहीं मृतका ने अपने व्हाट्सएप चैट में भी इसका जिक्र किया है। सुनवाई पर मृतका के परिवार की ओर से कहा गया कि सबूत छिपाने के लिए रिजॉर्ट में तोडफ़ोड़ की गई। रिजॉर्ट के सीसीटीवी कैमरे बंद करा दिए गए और डीवीआर से भी छेड़ाखानी की है। उल्लेखनीय है कि पौड़ी जिले के डोभ श्रीकोट निवासी अंकिता भंडारी ऋषिकेश के वनंत्रा रिजॉर्ट में नौकरी करती थी। आरोप है कि उसकी हत्या रिजॉर्ट स्वामी पुलकित आर्य, सौरभ भास्कर और अंकित ने बैराज में धक्का देकर की थी। मामले की छानबीन के बाद तीनों आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। तब से सभी अभियुक्त जेल में बंद हैं।

बालश्रम, बाल भिक्षावृत्ति एवं बाल विवाह समाप्त करने को लेकर प्रभारी डीएम ने ली अधिकारियों की बैठक

चमोली। बालश्रम, बाल भिक्षावृत्ति एवं बाल विवाह समाप्त करने को लेकर प्रभारी जिलाधिकारी अभिनव शाह ने बुधवार को सभी संबधित अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने निर्देशित किया कि बालश्रम, बाल भिक्षावृत्ति और बाल विवाह पर प्रभावी रोक लगाने के लिए जनपद में व्यापक स्तर पर जन जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जाए। जिला सभागार में आयोजित बैठक में ऑपरेशन मुक्ति की जानकारी लेते हुए प्रभारी जिलाधिकारी ने पुलिस व शिक्षा विभाग को अभियान के दौरान रेस्क्यू किए गए बच्चों की वर्तमान स्थिति की रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को बाल श्रम और बाल विवाह की रोकथाम के लिए विद्यालयों में प्रार्थना सभाओं में बच्चों को संकल्प दिलाने की बात कही। उन्होंने महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास अधिकारी को बेटी बचाओ बेटी पढाओ अभियान के तहत प्रत्येक ब्लाक में आत्मरक्षा प्रशिक्षण देने और इसका प्रचार प्रसार करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला प्रोबेशन अधिकारी प्रदीप सिंह ने बताया कि जिले में बाल विवाह के दो मामले सामने आए थे। जिनमें एक मामले में 06 आरोपियों को न्यायालय की ओर से सजा दी गई है। जबकि एक मामले में न्यायालय में सुनवाई जारी है। पुलिस विभाग के हेड कांस्टेबल युद्धवीर सिंह ने बताया कि बाल अधिकार संरक्षण के तहत अभियान चलाकर स्कूल नहीं जा रहे 24 बच्चों को चिन्हित किया गया। जिसमें से 11 बच्चों का प्रवेश विद्यालयों में करवाया गया और 13 बच्चों के अभिभावकों से वार्ता कर उनको विद्यालयों में दाखिला करवाया गया है।

ब्रुनेई में भारत के उच्चायुक्त आलोक अमिताभ डिमरी एवं युगांडा में भारत के उच्चायुक्त उपेन्द्र सिंह रावत ने की राज्यपाल से शिष्टाचार भेंट

न्यूज वायरस नेटवर्क

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) से राजभवन में बुधवार को ब्रुनेई में भारत के उच्चायुक्त आलोक अमिताभ डिमरी एवं युगांडा में भारत के उच्चायुक्त उपेन्द्र सिंह रावत ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर राज्यपाल और उच्चायुक्तों के मध्य विभिन्न विषयों सहित हाल में ही सम्पन्न हुए ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट के सम्बन्ध में चर्चा हुई। राज्यपाल ने उच्चायुक्तों से कहा कि जिन देशों में वे कार्य कर रहे हैं वहां के विश्वविद्यालयों की बेस्ट प्रैक्टिस उत्तराखण्ड के विश्वविद्यालयों के साथ साझा की जाये। साथ ही विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों विशेषकर बालिकाओं को भी इन देशों में अनुभव प्राप्त करने के लिए शैक्षिक भ्रमण के आयोजित किए जाएं। राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखण्ड में महिला स्वयं सहायता बेहतर कार्य कर रहे हैं उन्हें अनुभव के आदान-प्रदान हेतु इन देशों में भ्रमण कार्यक्रम निर्धारित किये जा सकते हैं। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों के स्थानीय उत्पादों को ग्लोबल कंज्युमरिज्म से जोडने में सहयोग का भी अनुरोध किया। राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखण्ड में योग, आयुर्वेद, मर्म, चिकित्सा और आध्यात्मिक पर्यटन के क्षेत्र में असीमित संभावनाएं है। उन्होंने इन क्षेत्रों में उत्तराखंड को संबंधित देशों में प्रचारित करने में सहयोग की अपेक्षा की। इस अवसर पर उच्चायुक्तों ने अपने-अपने अनुभव साझा करते हुए कई सुझाव रखे।

राज्य आंदोलनकारियों ने की मांगों के निस्तारण की मांग

कोटद्वार। उत्तराखंड राज्य निर्माण सेनानी मोर्चा ने उनकी लंबित मांगों का निस्तारण न होने पर रोष व्यक्त किया है। मांगों के निस्तारण को लेकर राज्य आंदोलनकारियों ने उपजिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया। बुधवार को राज्य आंदोलनकारी महेंद्र सिंह रावत के नेतृत्व में तहसील में एकत्रित हुए। तत्पश्चात उन्होंने उपजिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि राज्य आंदोलनकारी अपनी मांगों के निस्तारण की मांग लंबे समय से करते आ रहे हैं, लेकिन सरकार की ओर से अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। ज्ञापन में विधान सभा का विशेष सत्र बुलाकर प्रवर समिति द्वारा दिए गए दस प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण को विधान सभा में लाने, शासनादेश के अनुसार चिन्हीकरण के लंबित आवेदनों का शीघ्र निस्तारण करने और सितंबर 2021 के शासनादेश के अनुसार मृतक आंदोलनकारियों के आश्रितों के पेंशन आवेदनों पर कार्रवाई करने के लिए जिलाधिकारी को निर्देशित करने की मांग की गई है। ज्ञापन प्रेषित करने वालों में दिनेश गौड़, पुरूषोत्तम डबराल, अखिलेश बड़थ्वाल, पितृशरण जोशी, पंकज उनियाल, गुलाब सिंह रावत, मनमोहन नेगी, हयात सिंह और रामकुमार माहेश्वरी सहित अन्य आंदोलनकारी शामिल रहे।

पहाड़ से लोग मैदान की ओर तो बाघ पहाड़ों की तरफ कर रहे हैं पलायन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हल्द्वानी। उत्तराखंड में लोग सुविधाओं की तलाश में मैदानों की तरफ और बाघ एकांत की खातिर पहाड़ों की ओर पलायन कर रहे हैं। कुमाऊं में कॉर्बेट नेशनल पार्क और इससे सटे जंगलों में बाघों की बढ़ती संख्या और जंगल के भीतर जीने के लिए चल रहा जबरदस्त संघर्ष इसकी बड़ी वजह है। आंकड़े बताते हैं कि इस साल अब तक 19 बाघों की मौत हो चुकी है। इसमें अधिकांश जंगल में जीने के लिए हुए संघर्ष की भेंट चढ़े हैं। यही वजह है वनराज अब रहने के लिए नए ठौर खोज रहे हैं। साल 2016 में पिथौरागढ़ के अस्कोट में पहली बार 12 हज़ार फीट की ऊंचाई पर बाघ देख वन्यजीव विशेषज्ञ हैरत में पड़ गए थे। भारतीय वन्यजीव संस्थान के वैज्ञानिकों के मुताबिक इतनी ऊंचाई पर बाघ की ये पहली दस्तक थी। इसके बाद 2021 दिसंबर में बाघ ने पहाड़ी जिले चम्पावत के ढकना गांव में धमक दिखाई। नैनीताल के नौकुचियाताल में भी बाघ कैमरे में कैद हो चुका है। अब बाघ के कदम जागेश्वर क्षेत्र में पड़े हैं। वन्यजीव विशेषज्ञ इस बदलते व्यवहार पर अध्ययन की बात कह रहे हैं।

चार किलोमीटर के दायरे में रहने को मजबूर : उत्तराखंड में वर्तमान में बाघों की संख्या 560 है। तराई भाबर क्षेत्र में इनके फलने-फूलने को सभी जरूरी संसाधन हैं। यही वजह है, कॉर्बेट नेशनल पार्क के 1288 वर्ग किमी क्षेत्र में 260 बाघ हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि बाघ करीब 40-50 किमी के क्षेत्रफल में विचरण करता है। लेकिन कॉर्बेट में बाघों की संख्या के हिसाब से ये दायरा महज 4 किमी तक सीमित हो जाता है।

अब पर्वतीय इलाकों में हो सकती है गणना : सामान्य तौर पर माना जाता है कि पर्वतीय और ज्यादा ठंड वाले इलाकों में बाघ नहीं पाए जाते हैं। इसी वजह से बाघों की गणना के दौरान इन इलाकों को छोड़ दिया जाता है। माना जा रहा है अब पहाड़ी जिलों में भी बाघों की गणना की जा सकती है।

आपसी संघर्ष में मर रहे : राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के आंकड़ों के मुताबिक 2022 में 121 बाघ की मौत हुई थी वहीं 2023 में अगस्त तक ही यह आंकड़ा 129 पहुंच गया। इसमें 72.03 प्रतिशत जैसे आपसी संघर्ष में हुईं।

बाबू लाल, डीएफओ, हल्द्वानी वन प्रभाग का कहना है कि बाघ का जागेश्वर जैसे क्षेत्र में दिखना आश्चर्य की बात है। इसके कारणों को तलाशने की जरूरत है।

लंढौर मेले में उत्तराखंडी संस्कृति की धूम मचेगी

देहरादून। लंढौर मेले में इस बार पहाड़ी संस्कृति के साथ ही खानपान और धरोहर का रंग जमेगा। उत्तराखंड के उत्पाद, हस्तशिल्प की प्रदर्शनी भी लगेगी। लंढौर मेला 23 और 24 दिसंबर को होगा। मेले के आयोजक ग्रीन लाइफ के निदेशक विवेक वेणीपाल ने बताया कि पिछले नौ साल से इसका आयोजन किया जा रहा है। मेले बड़ी संख्या में देशी-विदेशी पर्यटकों सहित स्थानीय लोगों की भागीदारी रहती है। इस मेले का पर्यटक पूरे वर्ष प्रतीक्षा करते हैं। मेले में उत्तराखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, उत्तराखंड के उत्पाद, उत्तराखंड के व्यंजन, वेशभूषा, हस्तशिल्प व प्राकृतिक सुंदरता के साथ ही विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जाता है। लंढौर मेला हिमालय की जीवंत परंपराओं और कलात्मक अभिव्यक्तियों के उत्सव का प्रतिनिधित्व करता है। इस वर्ष के लंढौर मेले का उद्देश्य उत्तराखंड की अनूठी भावना को प्रदर्शित करने के साथ यहां की सांस्कृतिक विरासत की जानकारी पर्यटकों तक पहुंचाना है। वहीं, उत्तराखंड की समृद्ध सांस्कृतिक व पारंपरिक नृत्य और संगीत की प्रस्तुति भी की जायेगी। मेले में नेचर वॉक, बर्डवॉचिंग सत्र, और पर्यावरण जागरूकता को भी समायोजित किया गया है। मेले में पहाड़ी व्यंजनों के साथ ही देशभर के व्यंजन परोसे जायेंगे। ग्रीन लाइफ की सीईओ शिवरंजनी सिंह ने कहा, हिमालयी समुदायों की जीवंत संस्कृति और गर्मजोशी से भरे आतिथ्य को प्रमुखता दी जायेगी। वहीं महिलाओं के सशक्तिकरण व स्थानीय कारीगरों को प्रोत्साहित किया जाएगा।

औचक निरीक्षण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

शैलेंद्र सिंह नेगी उप जिलाधिकारी घनसाली द्वारा बाल विकास परियोजना अधिकारी घनसाली के कार्यालय का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान संगीता गोयल बाल विकास परियोजना अधिकारी हंसी देवी सुपरवाइजर विनोद लाल आधार ऑपरेटर सुनील नाथ ब्लॉक कोऑर्डिनेटर तुलता बडोनी कार्यालय से अनुपस्थित चल रहे हैं। सभी अनुपस्थित कार्मिकों का स्पष्टीकरण प्राप्त किया जा रहा है तथा अग्रिम आदेश तक वेतन आहरण पर रोक लगाने के निर्देश दिए गए हैं। विस्तृत रिपोर्ट जिलाधिकारी टिहरी गढ़वाल को प्रेषित की जा रही है।

क्षितिज आरक्षण शीघ्र लागू करने की मांग की

हल्द्वानी। उत्तराखण्ड राज्य आंदोलनकारियों ने 10 प्रतिशत क्षितिज आरक्षण शीघ्र लागू करने की मांग को लेकर उपजिलाधिकारी परितोष वर्मा के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। आंदोलनकारियों ने कहा की प्रवर समिति की रिपोर्ट विधान सभा अध्यक्ष को सौंपने के बाद भी एक माह से अधिक समय बीत जाने के बाद भी विधेयक आज भी लंबित है। उन्होंने मांग की कि सरकार 15 दिन के भीतर विशेष सत्र बुलाकर राज्य आंदोलनकारी आरक्षण विधेयक पास कराए। ज्ञापन देने वालों में राज्य आंदोलनकारी हुकम सिंह कुंवर, जगमोहन चिलवाल, नरेश चंद्र भट्ट, कुमाऊँ प्रभारी उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी मंच दीपक रौतेला, बृज मोहन सिजवाली, भुवन तिवारी, एनबी गुणवंत, आफताब हुसैन आदि लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री ने दी पाटा उत्तरकाशी में परिवार कल्याण उप केन्द्र की स्थापना की स्वीकृति

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने जनपद उत्तरकाशी के विकासखण्ड भटवाड़ी के अन्तर्गत ग्राम पंचायत पाटा में परिवार कल्याण उपकेन्द्र की स्थापना हेतु स्वीकृति प्रदान की है। मुख्यमंत्री ने परिवार कल्याण उपकेन्द्र की स्थापना तथा आवश्यक कार्मिकों के साथ 13.34 लाख रूपये की वित्तीय एवं प्रशासकीय स्वीकृति भी दी है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण निदेशालय के अनुसार यह स्वास्थ्य उपकेंद्र 3424 आबादी को लाभान्वित करेगा। जनपद उत्तरकाशी के विकासखण्ड भटवाड़ी के अन्तर्गत ग्राम पंचायत पाटा आईपीएचएस मानकों (पर्वतीय क्षेत्र हेतु 3000 एवं शहरी क्षेत्र हेतु 5000) को पूर्ण करता है इसके लिये मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जनपद उत्तरकाशी द्वारा स्थापना की भी संस्तुति प्रदान की गयी है।

मोदी समर्थक उत्तराखंड में मतदाता सम्मेलन का प्लान, लोकसभा चुनाव 2024 बीजेपी की रणनीति

देहरादून। लोकसभा चुनाव 2024 से पहले बीजेपी ने रणनीति बनाई है। उत्तराखंड में भाजपा पहली बार मतदाता बने युवाओं के सम्मेलन आयोजित करेगी। हर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित होने वाले इन सम्मेलनों को मोदी समर्थक युवा मतदाता सम्मेलन नाम दिया गया है। पार्टी ने मोदी समर्थक युवा मतदाता सम्मेलन सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में आयोजित करने का निर्णय लिया है। इन सम्मेलनों में पहली बार मतदाता बने युवाओं को शामिल किया जाएगा। ये वह युवा होंगे जिन्होंने अभी तक भाजपा की सदस्यता नहीं ली है या अभी तक उनका पार्टी से कोई जुड़ाव नहीं है। पार्टी के नेताओं का मानना है कि देश में बड़ी संख्या में युवा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फिर से प्रधानमंत्री के तौर पर देखना चाहते हैं। राज्य में भी ऐसे युवाओं की बड़ी तादात है। ऐसे में अब इन सभी युवाओं से संपर्क कर पार्टी हर विधानसभा के स्तर पर सम्मेलन करने जा रही है। पार्टी जनवरी महीने से इन सम्मेलनों की शुरूआत करेगी और पदाधिकारियों को निचले स्तर पर इस आयोजन को पहुंचाने के लिए कार्य योजना बनाने को कहा गया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कहा कि इन आयोजनों के जरिए पहली बार मतदाता बने युवाओं को पार्टी से जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि जनवरी में इन आयोजनों को करने का निर्णय लिया गया है। उधर, दून में मंगलवार को भाजपा महानगर अल्पसंख्यक मोर्चा की कार्यसमिति बैठक में हुई। बैठक में कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने राज्य में अल्पसंख्यकों के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। राज्यमंत्री जेपी गैरोला ने कहा, केंद्र व राज्य सरकार अल्पसंख्यक समुदाय के हितों का पूरा ध्यान रख रही है।

मसूरी एसडीएम कार्यालय में सफाई कर्मचारियों का प्रदर्शन

देहरादून। अखिल भारतीय सफाई मजदूर संघ ने विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। एसडीएम और नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी को ज्ञापन दिया। साथ ही कहा कि 31 दिसंबर तक समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो एक जनवरी से पूरे उत्तराखंड में अनिश्चित कालीन हड़ताल करने के लिए बाध्य होंगे। अखिल भारतीय सफाई मजदूर संघ ने मालरोड आंबेडकर चौक पर बाबा साहेब डा. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद प्रदर्शन किया। फिर जुलूस के साथ एसडीएम कार्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने ज्ञापन दिया और नारेबाजी की। इसके बाद नगर पालिका परिषद में अधिशासी अधिकारी राजेश नैथानी को ज्ञापन सौंपा। संघ के उत्तराखंड प्रभारी विशाल बिरला ने कहा कि संघ सफाई व्यवस्था के लिए ठेकेदारी प्रथा, संविदा, गैंग प्रथा, दैनिक प्रथा की शोषणकारी व्यवस्था को समाप्त करने, सभी गैर सरकारी कार्यरत सफाई कर्मचारियों को तुरंत नियमित करने की मांग कर रहा है। उन्होंने रयाल कमेटी की शिफारिशों को तत्काल लागू करने और पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाल करने की मांग की। इस मौके पर राजेंद्र घावरिया, सुरेंद्रपाल, गुरूचरण चनालिया,प्रताप, सुशील, प्रिंस लौहट, गुलशन, राहुल, राजेंद्र, कैलाश, अनिल, सोनू, सहित बड़ी संख्या में सफाई कर्मचारी मौजूद रहे।

वित्त मंत्री प्रेमचंद ने आम बजट पर मांगे सुझाव

देहरादून। वित्त मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने आम बजट पर राज्य के लोगों से राय मांगी है। 10 जनवरी 2024 तक लोग ईमेल, वाट्सअप करके वित्त विभाग को अपने सुझाव भेज सकते हैं।राज्य के वर्ष 2024-25 के बजट को तैयार करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसी को देखते हुए वित्त विभाग की ओर से जनता से सुझाव मांगे गए है। वित्त मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने बताया कि इस बार बजट बनाने की प्रक्रिया में सुधार किया जा रहा है। प्रदेश में विभिन्न विभागों और सार्वजनिक संस्थाओं में कार्यरत मानव संसाधन की सटीक जानकारी प्राप्त करने के प्रयास किए गए हैं। पहली बार विभागाध्यक्ष के स्तर पर आईएफएमएस पोर्टल पर स्वीकृत व कार्यरत पदों का पूरा विवरण भरने के बाद ही बजट की मांग का प्राविधान किया गया है। इसके साथ ही राज्य में संचालित हो रही योजनाओं के लिए जेंडर बजट के तहत प्रावधान किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जल्द बजट को लेकर विभिन्न वर्गों के बीच संवाद आयोजित किए जाएंगे। बजट को लेकर यहां भेजिए सुझावः वित्त मंत्री ने बताया कि इस साल बजट पर सुझाव के लिए 10 जनवरी तक कोई भी सुझाव भेज सकता है।

पूर्व सीएम त्रिवेंद्र के जन्मदिन पर प्रतिभाओं का सम्मान

देहरादून। भाजपा कार्यकर्ताओं और दून के प्रबुद्ध लोगों ने बुधवार को कई जगह पूर्व सीएम त्रिवेंद्र सिंह रावत का जन्मदिन धूमधाम से मनाया। इस दौरान अलग अलग क्षेत्र में प्रतिभा दिखाने वालों को सम्मानित भी किया गया। सबसे पहले पार्टी कार्यकर्ताओं व लोगों ने सुबह डिफेंस कॉलोनी स्थित आवास पर पहुंच कर पूर्व सीएम त्रिवेंद्र को शुभकामनाएं दीं। उसके बाद पूर्व सीएम त्रिवेंद्र ने डीबीएस महाविद्यालय पहुंच कर उनके जन्म दिवस पर छात्रों की ओर से आयोजित रक्तदान शिविर का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ किया। शिविर में लगभग 50 से अधिक यूनिट रक्त संग्रह किया गया। दोपहर में बालावाला के एक स्थानीय वेडिंग प्वाइंट में उनके जन्मदिन पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां क्षेत्र के लोगों ने फूल मालाओं से उनका स्वागत कर शुभकामनायें दीं। पूर्व सीएम त्रिवेंद्र सिंह रावत ने सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। इस दौरान आयोजक बद्री केदार सहयोग समिति की ओर से देवभूमि उत्तराखंड का मान बढ़ाने वाली 12 प्रतिभाओं को भी सम्मानित किया गया। जिनका जीवन बेहद ही संघर्षों भरा रहा। इनमें दिव्यांग गायक निर्मल अनुरागी, मुकेश अनुरागी व अंजली अनुरागी, महिला बाडी बिल्डर प्रतिभा थपलियाल, गायिका सोनिया रावत, संजय किशन ध्यानी, रैपर सूरज रावत, गायक महिमा उनियाल, क्रिकेटर प्रिया, संस्कृति संवाहक राकेश भट्ट, नशामुक्ति अभियान के लिए मंयक हांडा और हास्य कलाकार किशना बगोट शामिल थे।

अपने जन्मदिन के अवसर पर पूर्व सीएम ने सभी का आभार व्यक्त किया। कहा कि हमारे प्रदेश मे 65 हजार से अधिक लोग दृष्टि दिव्यांग हैं और प्रति वर्ष हमारे प्रदेश में लगभग इसी संख्या में अलग अलग करणों से लोगों की मृत्यु होती है।